गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 263
दि. 24.01.2026,
शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में ग्रंथ कुटीर का उद्घाटन किया, जहां है 11 शास्त्रीय भाषाओं में लगभग 2,300 किताबों का संग्रह

ग्रंथ कुटीर में भारत की 11 शास्त्रीय भाषाओं में लगभग 2,300 किताबों का संग्रह है

शास्त्रीय भाषाओं में जमा ज्ञान का भंडार हमें अपने समृद्ध अतीत से सीखने और उज्ज्वल भविष्य बनाने के लिए प्रेरित करता है: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

(जीएनएस)।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज (23 जनवरी, 2025) राष्ट्रपति भवन में ग्रंथ कुटीर का उद्घाटन किया। ग्रंथ कुटीर में भारत की 11 शास्त्रीय भाषाओं - तमिल, संस्कृत, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम, ओडिया, मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बांग्ला में पांडुलिपियों और किताबों का समृद्ध संग्रह है।

ग्रंथ कुटीर भारत की समृद्ध और विविध सांस्कृतिक, दार्शनिक, साहित्यिक और बौद्धिक विरासत को प्रदर्शित करता है। इस कुटीर में भारत की 11 भारतीय शास्त्रीय भाषाओं में लगभग 2,300 किताबों का संग्रह है। भारत सरकार ने 3 अक्टूबर, 2024 को मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बांग्ला भाषा को 'शास्त्रीय भाषा' का दर्जा दिया। इससे पहले, छह भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्राप्त था। ग्रंथ कुटीर संग्रह में महाकाव्य, दर्शन, भाषा विज्ञान, इतिहास, शासन, विज्ञान और भक्ति साहित्य जैसे विषयों के साथ-साथ इन भाषाओं में भारत का संविधान भी शामिल है। संग्रह में लगभग 50 पांडुलिपियां भी शामिल हैं। इनमें से कई पांडुलिपियां ताड़ के पत्ते, कागज, छाल और कपड़े जैसी पारंपरिक सामग्रियों पर हाथ से लिखी गई हैं।

ग्रंथ कुटीर को केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों, सांस्कृतिक संगठनों और देश भर के व्यक्तिगत दानदाताओं के सहयोग से विकसित किया गया है। शिक्षा मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय और उनसे जुड़े संस्थानों ने इस पहल का समर्थन किया है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) पांडुलिपियों के प्रबंधन, संरक्षण, प्रलेखन और प्रदर्शन में पेशेवर विशेषज्ञता प्रदान कर रहा है।

ग्रंथ कुटीर को विकसित करने का उद्देश्य भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत के बारे में नागरिकों में जागरूकता बढ़ाना है। औपनिवेशिक मानसिकता के अवशेषों को खत्म करने के राष्ट्रीय संकल्प के तहत, ग्रंथ कुटीर को प्रमुख रचनाओं के माध्यम से समृद्ध विरासत को दिखाने और विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए विकसित किया गया है। ग्रंथ कुटीर ज्ञान भारतम मिशन के विजन को समर्थन देने का

प्रयास है। यह भारत की विशाल पांडुलिपि विरासत को संरक्षित करने, डिजिटाइज करने और फैलाने की राष्ट्रीय पहल है, जो भविष्य की पीढ़ियों के लिए परंपरा को प्रौद्योगिकी के साथ जोड़ती है।

पहले, विलियम होगार्थ की मूल रचनाओं की एक कैटलॉग, लॉर्ड कर्जन ऑफ केडलस्टन के भाषण, लॉर्ड कर्जन ऑफ केडलस्टन के प्रशासन का सारांश, लॉर्ड कर्जन का जीवन, पंच पत्रिकाएँ और अन्य पुस्तकें यहाँ रखी थीं। इन्हें अब राष्ट्रपति भवन परिसर के अंदर अलग स्थान पर ले जाया गया है। ये पुस्तकें अभिलेखीय संग्रह का हिस्सा हैं, उन्हें डिजिटाइज किया गया है और शोधकर्ताओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराया जाएगा।

आगंतुक राष्ट्रपति भवन सर्किट 1 के अपने गाइडेड टूर के दौरान रचनाओं और पांडुलिपियों की झलक देख पाएंगे। साथ ही, लोग संग्रह की जानकारी एक्सेस कर सकते हैं और पुस्तकें और पांडुलिपियाँ पढ़ सकते हैं जो ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से भी उपलब्ध होंगी। शोधकर्ता ग्रंथ कुटीर तक फिजिकल एक्सेस के लिए पोर्टल के माध्यम से भी आवेदन कर सकते हैं।

कुछ प्राचीन रचनाएँ जिन्होंने इन भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिलाने में योगदान दिया है, वे हैं संस्कृत में वेद, पुराण और उपनिषद; गाथासप्तशती, सबसे पुरानी ज्ञात मराठी साहित्यिक कृति; पाली में विनय पिटक जो बौद्ध भिक्षुओं के लिए मठवासी नियमों की रूपरेखा बताता है; जैन आगम और प्राकृत शिलालेख जो महत्वपूर्ण ऐतिहासिक रिकॉर्ड के रूप में काम करते हैं; चर्यापद, असमिया, बांग्ला और उड़िया में प्राचीन बौद्ध तांत्रिक ग्रंथ; तिरुक्कुरल, जीवन के विभिन्न पहलुओं पर क्लासिक तमिल ग्रंथ; तेलुगु में महाभारत; कन्नड़ में अलंकार, काव्यशास्त्र और व्याकरण पर सबसे पुरानी उपलब्ध कृति कविराजमार्ग और मलयालम में रामचरितम।

कुटीर के उद्घाटन के बाद जनसमूह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि शास्त्रीय भाषाओं ने भारतीय संस्कृति की नींव रखी है। भारत की शास्त्रीय भाषाओं में रचित विज्ञान, योग, आयुर्वेद और साहित्य के ज्ञान ने सदियों से दुनिया को रास्ता दिखाया है। तिरुक्कुरल और अर्थशास्त्र जैसे ग्रंथ आज भी प्रासंगिक हैं। इन भाषाओं के माध्यम से गणित, खगोल विज्ञान, आयुर्वेद और व्याकरण जैसे विषयों का विकास हुआ है। पाणिनी का व्याकरण, आर्यभट्ट का गणित, और चरक और सुश्रुत का चिकित्सा विज्ञान आज भी दुनिया को चकित करता है। इन शास्त्रीय भाषाओं ने आधुनिक भारतीय भाषाओं के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इन भाषाओं के योगदान का सम्मान करने और उनके संरक्षण और विकास को बढ़ावा देने के लिए, उन्हें शास्त्रीय भाषाओं का विशेष दर्जा दिया गया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि शास्त्रीय भाषाओं में जमा ज्ञान का खजाना हमें अपने समृद्ध अतीत से सीखने और उज्ज्वल भविष्य बनाने के लिए प्रेरित करता है। विरासत और विकास का यह मेल हमारा मार्गदर्शक सिद्धांत है, यह शास्त्रीय भाषाओं के महत्व को भी रेखांकित करता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारी भाषाओं की विरासत को संरक्षित करना और बढ़ावा देना सभी कर्तव्यनिष्ठ लोगों की सामूहिक जिम्मेदारी है। विश्वविद्यालयों में शास्त्रीय भाषाओं के अध्ययन को बढ़ावा देना, युवाओं को कम से कम एक शास्त्रीय भाषा सीखने के लिए प्रोत्साहित करना, और इन भाषाओं में अधिक पुस्तकें पुस्तकालयों में उपलब्ध कराना इन भाषाओं के संरक्षण और प्रचार के लिए महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रपति ने कहा कि ग्रंथ कुटीर भारत की शास्त्रीय भाषाओं के संरक्षण और प्रचार के लिए राष्ट्रपति भवन के सामूहिक प्रयास का हिस्सा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस कुटीर में शास्त्रीय भाषाओं से संबंधित सामग्री का संग्रह बढ़ता रहेगा। राष्ट्रपति यह भी विश्वास प्रकट किया कि इस कुटीर का संग्रह सभी आगंतुकों, विशेष रूप से युवाओं को, शास्त्रीय भाषाओं के बारे में जानने और समझने के लिए प्रेरित करेगा।

आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन सांख्यिकी में सुधार हेतु निदेशालय की तकनीकी समिति की बैठक आयोजित की गई

पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन सांख्यिकी में सुधार हेतु तकनीकी दिशा-निर्देश समिति (टीसीडी) की वार्षिक बैठक 22-23 जनवरी, 2026 को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। बैठक का उद्घाटन

आंध्र प्रदेश सरकार के पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, विकास एवं मत्स्य पालन विभाग के पदेन विशेष मुख्य सचिव श्री बी. राजशेखर, आईएएस ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के महानिदेशक (सांख्यिकी) और टीसीडी के अध्यक्ष श्री काल सिंह तथा पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन विभाग के सलाहकार श्री जगत हजारिका की उपस्थिति में किया।

यूपी के 75 जिलों में अचानक हुआ ब्लैकआउट; बजने लगे सायरन और गिरने लगे बम, मची अफरा-तफरी!

उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में आपात स्थिति से निपटने के लिए किया गया मॉक ड्रिल

(जीएनएस)।

लखनऊः दुश्मन देश का जहाज हमले की नीयत से आसमान में उड़ रहा था. इस बात की आशंका थी कि बमों से हमला होगा. तत्काल सायरन बजाए गए और ब्लैकआउट कर दिया गया. नागरिक सुरक्षा समिति के सदस्यों ने और आपदा प्रबंधन टीम ने पहले तो नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा और जो नहीं पहुंच सके वह जमीन पर लेट गए. हमला हुआ मगर कोई खास नुकसान नहीं हुआ. घायलों को सुरक्षित एंबुलेंस के जरिए अस्पतालों में पहुंचाया गया और जहां भी आग लगी थी उसे पर काबू पाया गया. यह किसी वास्तविक हमले की कहानी नहीं है.

सीएम योगी की मौजूदगी में हुई मॉकड्रिलःलखनऊ पुलिस लाइन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में नागरिक सुरक्षा समिति की ओर से यह कार्यवाही की गई. प्रदेश के सभी जिलों में शाम 6:00 के करीब हुई इस मॉक ड्रिल के जरिए युद्ध के दौरान नागरिकों को किस तरह से बचाना है, इसका प्रदर्शन किया गया. हर जिले के मुख्यालयों पर 6 बजते ही अचानक ब्लैक आउट हो गया और सायरन बजने लगे.

आपातकालीन परिस्थिति का लाइव प्रदर्शनः पुलिस लाइन लखनऊ में नागरिक सुरक्षा संगठन द्वारा आयोजित मॉक ड्रिल के प्रथम चरण में सामान्य जनजीवन का दृश्य प्रदर्शित किया गया. इसी दौरान कंट्रोल रूम से रेड अलर्ट की सूचना प्राप्त होते ही सायरन बजाया गया तथा ब्लैकआउट की स्थिति उत्पन्न की गई. फाइटर जेट द्वारा बमबारी एवं विस्फोट की आवाजों के माध्यम से आपातकालीन परिस्थिति का सजीव प्रदर्शन किया गया.

सीएम योगी ने मेदांता में महंत नृत्य गोपाल दास का हाल जाना, बेहतर इलाज के दिए निर्देश

लखनऊ। श्रीराम जन्म भूमि ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास का हाल जानने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को मेदाांता

हॉस्पिटल पहुंचे। सीएम योगी ने डॉक्टरों से आइसीयू में भर्ती महंत की तबीयत के बारे में जानकारी ली और बेहतर इलाज मुहैया कराने का निर्देश दिया। महंत नृत्य गोपाल दास की अचानक तबीयत खराब होने के बाद बुधवार दोपहर करीब तीन बजे मेदांता लाया गया था।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नीदरलैंड्स में एएसएमएल मुख्यालय का दौरा किया

सुसंगत नीतियाँ और मजबूत प्रतिभा आधार वैश्विक उपकरण निर्माताओं को भारत की ओर आकर्षित कर रहे हैं

(जीएनएस)।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज नीदरलैंड के वेल्डहोवेन स्थित एएसएमएल के मुख्यालय का दौरा किया।

यात्रा के दौरान बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत ने एक नया सेमीकंडक्टर उद्योग शुरू किया है और लिथोग्राफी, जिसमें वेफर पर सर्किट को प्रिंट करना शामिल है, पूरी सेमीकंडक्टर विनिर्माण श्रृंखला की सबसे जटिल और अत्यधिक सटीकता वाली प्रक्रिया है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि एएसएमएल विश्व की अग्रणी लिथोग्राफिक उपकरण प्रदाता कंपनी है और उन्होंने आगे कहा कि

एएसएमएल विश्व में निर्मित लगभग हर चिप को संभव बनाती है। श्री वैष्णव ने कहा, 'धोलेरा स्थित हमारी फैब में एएसएमएल के उपकरण इस्तेमाल किए जाएंगे। इसलिए मैं यहां उनकी तकनीक को समझने और जानने के लिए आया हूं।'

केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि एएसएमएल का भारत आना एक महत्वपूर्ण विकास होगा, और यह भी बताया कि देश की डिजाइन क्षमताओं, प्रतिभाओं की विशाल उपलब्धता और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की लगातार नीतियों के कारण दुनिया भर के कई उपकरण निर्माता अब भारत में अपना आधार स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं।

एएसएमएल के बारे में

एएसएमएल, सेमीकंडक्टर उद्योग की विश्व की अग्रणी आपूर्तिकर्ता कंपनी है। यह डच बहुराष्ट्रीय कंपनी एकीकृत परिपथों के उत्पादन में उपयोग होने वाली फोटोलिथोग्राफी मशीनों के विकास और निर्माण में विशेषज्ञता रखती है। यह अग्रणी चिप निर्माताओं को सिलिकॉन पर बड़े पैमाने पर पैटर्न का उत्पादन करने में सक्षम बनाती है, जिससे छोटे, तेज और अधिक ऊर्जा-कुशल चिप्स बनाने में मदद मिलती है।

एएसएमएल के एक प्रतिनिधिमंडल ने सेमीकॉन इंडिया 2025 में भाग लिया, जहां उसने भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा में भागीदार बनने में गहरी रुचि व्यक्त की।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल का ग्रामीण आवास योजना के लाभार्थियों के लिए अहम संवेदनशील निर्णय

- गुजरात ग्रामीण गृह निर्माण बोर्ड की विभिन्न आवास योजनाओं में दंडनीय ब्याज माफी
- गुजरात ग्रामीण गृह निर्माण बोर्ड की आवास योजनाओं में दंडनीय ब्याज माफी के लिए वन टाइम राहत योजना
- 6 महीने की समय सीमा में आवास की किस्त की मूल राशि पूरी तरह भरने वालों का दंडनीय ब्याज माफ किया जाएगा
- 9 हजार से अधिक ग्रामीण क्षेत्र के परिवारों को कुल 154 करोड़ रुपए की दंडनीय ब्याज राहत मिलेगी
- मूल राशि पूरी तरह चुका देने वाले लाभार्थियों को मालिकाना हक मिलेगा और वे स्वयं मकान मालिक बनेंगे

गांधीनगर, 23 जनवरी : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में गुजरात ग्रामीण गृह निर्माण बोर्ड की आवास योजनाओं के लाभार्थियों के व्यापक हित में एक महत्वपूर्ण संवेदनशील निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री के इस निर्णयानुसार राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में गुजरात ग्रामीण गृह निर्माण बोर्ड की आवास योजना के वे लाभार्थी; जो मूल राशि पूरी तरह चुकाने के लिए सहमत हैं, लेकिन मासिक दो प्रतिशत दंडनीय ब्याज चुकाने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें राहत दी जाएगी।

मुख्यमंत्री के समक्ष ऐसे लाभार्थियों द्वारा की गई प्रस्तुतियों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि इस आवास योजना के वे लाभार्थी जो 6 महीनों में अपनी बकाया मूल राशि पूरी तरह चुका देंगे; उन्हें वन टाइम ब्याज माफी योजना के अंतर्गत 2 प्रतिशत दंडनीय ब्याज की वसूली से मुक्त किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के इस निर्णय से लगभग 9,029 ग्रामीण परिवारों को लाभ होगा और उन्हें कुल लगभग 154 करोड़ रुपए की बड़ी दंडनीय राशि की राहत मिलेगी।

इतना ही नहीं, ग्रामीण क्षेत्रों के इन परिवारों को उनके नाम पर मकान के मालिकाना हक मिलने से वे वास्तविक अर्थों में अपने स्वयं के मकान के धारक बन जाएंगे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रत्येक जरूरतमंद नागरिक को स्वयं का आवास उपलब्ध कराने के संकल्प को मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के इस जनहितोन्मुखी निर्णय से राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों के परिवार साकार कर सकेंगे।

प्रधानमंत्री ने बसंत पंचमी के पावन अवसर पर सभी को शुभकामनाएँ दीं

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज बसंत पंचमी के पावन अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

प्रधानमंत्री ने प्रकृति की सुंदरता और दिव्यता को समर्पित इस पर्व की पवित्रता को रेखांकित किया। उन्होंने ज्ञान और कला की देवी माँ सरस्वती से सभी पर अपना आशीर्वाद बनाए रखने की कामना की।

प्रधानमंत्री ने आशा व्यक्त की कि देवी सरस्वती की कृपा से सभी नागरिकों का जीवन विद्या, विवेक और बुद्धि के प्रकाश से सदा आलोकित रहे। एक एक्स पोस्ट में श्री मोदी ने कहा;

'आप सभी को प्रकृति की सुंदरता और दिव्यता को समर्पित पावन पर्व बसंत पंचमी की अनेकानेक शुभकामनाएं। ज्ञान और कला की देवी मां सरस्वती का आशीर्वाद हर किसी को प्राप्त हो। उनकी कृपा से सबका जीवन विद्या, विवेक और बुद्धि से सदैव आलोकित रहे, यही कामना है।'

केंद्रीय मंत्री पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास एवं संचार, ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने त्रिपुरा में ₹365 करोड़ की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया

जनजातीय और अंदरूनी क्षेत्रों में कनेक्टिविटी को मजबूती

केंद्र-राज्य समन्वय से त्रिपुरा का कायाकल्प

अष्ट लक्ष्मी विजन और पूर्वोत्तर विकास का फ्रेमवर्क

(जीएनएस)।

अगरतला, त्रिपुरा

केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा के साथ आज बसंत पंचमी के अवसर पर त्रिपुरा में ₹270 करोड़ की पांच विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया और ₹95 करोड़ की तीन परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं का उद्देश्य जनजातीय और दूरदराज के क्षेत्रों में सड़क संपर्क, बिजली की पहुंच में सुधार करना और आजीविका को बढ़ावा देना है।

केंद्रीय मंत्री ने रेखांकित किया कि ये परियोजनाएं पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप त्रिपुरा को एक जुड़े हुए, प्रतिस्पर्धी और टिकाऊ राज्य में बदलने के व्यापक प्रयास का हिस्सा हैं। सभी केंद्रीय मंत्रालयों के सकल बजटीय सहायता (जीबीएस) का 10% इस क्षेत्र में निवेश करने के प्रधानमंत्री के अधिदेश के तहत, पिछले एक दशक में आठ पूर्वोत्तर राज्यों में ₹6.5 लाख करोड़ से अधिक का निवेश किया गया है। इसने बुनियादी ढांचे के

विकास, आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को गति दी है।

त्रिपुरा ने पिछले एक दशक में उल्लेखनीय प्रगति देखी है। राज्य में अब सबरूम तक ब्रॉड-गेज रेल कनेक्टिविटी है, सड़कों की लंबाई 850 किमी से बढ़कर 1,550 किमी से अधिक हो गई है, और महाराजा बीर बिक्रम हवाई अड्डे को सालाना 30 लाख यात्रियों को संभालने के लिए अपग्रेड किया गया है। राज्य अब लगभग 1,000 मेगावाट की स्थापित क्षमता के साथ पावर सरप्लस बन गया है, जो घरों, कृषि और उद्योगों को सहायता प्रदान कर रहा है।

आज जिन प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया, उनमें शामिल हैं:

गांवों, बाजारों, स्कूलों और अस्पतालों तक पहुंच सुधारने के लिए जतनबाड़ी-मंदिरघाट-तीर्थमुख रोड (14 किमी)। जनजातीय बस्तियों को जिला मुख्यालयों से जोड़ने के लिए गंडाचेरा-रैय्याबाड़ी-नारिकेल कुंज रोड (8 किमी)। आंतरिक और पहाड़ी क्षेत्रों को जोड़ने वाली पीएमजीएसवाई सड़क परियोजनाएं। पीएम-डिवाइन के तहत सौर माइक्रो-ग्रिड परियोजनाएं, जो दूरदराज की बस्तियों को स्वच्छ और विश्वसनीय बिजली प्रदान करेंगी, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और लघु उद्यमों में सुधार होगा। श्री सिंधिया ने मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा की "स्पीड, समर्पण और केंद्र के साथ समन्वय" के लिए प्रशंसा की और कहा कि केंद्र और राज्य के संयुक्त प्रयासों ने त्रिपुरा के कायाकल्प को तेज कर दिया है। उन्होंने यह भी कहा, 'त्रिपुरा को न केवल उत्तर-पूर्व का प्रवेश द्वार होना चाहिए, बल्कि दक्षिण-पूर्व एशिया का भी प्रवेश द्वार होना चाहिए।

गरवी गुजरात
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2002

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
गरवी गुजरात हिंदी चेनल देखिये

सम्पादकीय

खेती के संकट

पारंपरिक देसी बीज, सरकारों, वैज्ञानिकों, किसान संगठनों और आम लोगों को सामूहिक रूप से देसी बीजों की प्रासंगिकता बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए। जरूरत इस बात की है कि पारंपरिक बीजों को गुजरे जमाने की चीज न मानकर भविष्य की जरूरत समझा जाए। अगर बीज बचेंगे तो ही लोग बचेंगे, इस बात को समझने की आवश्यकता है। खेती का संकट और पारंपरिक देसी बीज निरंतर लागत बढ़ती चले जाने से हमारे देश में खेती संकट के दौर से गुजर रही है। एक ओर खाद, बीज, कीटनाशक, डीजल, बिजली आदि का खर्च बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर किसान की आय सिमटती जा रही है। जलवायु संकट के दौर में अनिाित मौसम और कीटनाशकों के बढ़ते प्रकोप ने भी खेती के संकट को बढ़ा दिया है। देश के विभिन्न भागों के वह किसान चर्चा में हैं, जो पारंपरिक देसी बीजों को अपना कर नए-नए प्रयोग कर रहे हैं। क्या बदहाल खेती के दौर में पारंपरिक देसी बीजों के जरिए हालात को बदला जा सकता है, इस प्रश्न पर आज चर्चा हो रही है। बड़ा सवाल है कि क्या पारंपरिक देसी बीज खेती में नई व्रांति का सूत्रपात कर सकते हैं? खेती में बीजों की गुणवत्ता का मुद्दा बहुत बड़ा है। नकली एवं अमानक बीजों के कारण किसानों को जिस तरह नुकसान झेलना पड़ रहा है, वह चिता का विषय है। सरकार भी नया बीज कानून लाने की कवायद में जुटी है। इसी बीच पारंपरिक बीजों का इस्तेमाल और संरक्षण कर रहे किसानों की कहानियां विकल्प सुझा रही हैं। मध्यप्रदेश के डिडोरी जिले की एक आदिवासी बस्ती की निवासी 27 वषाय लहरी बाई अपने छोटे से घर में 150 से अधिक दुर्लभ और विलुप्त प्राय देसी बीजों को सहेज रही हैं। लहरी बाई ये बीज स्थानीय हाटों और आसपास के किसानों से एकत्र करती हैं। फिर उन्हें साफ करके, सुखाकर, सुरक्षित रखती हैं और जरूरत पड़ने पर दूसरे किसानों को दे देती हैं। यह कोई सरकारी परियोजना नहीं है, न ही इसके पीछे कोई बड़ी पंडिग है। यह काम भरोसे और जरूरत से चलता है। इस महिला के लिए बीज केवल खेती का साधन नहीं बल्कि जीवन का भरोसा हैं। उनके लिए बीज केवल फसल का जरिया नहीं है बल्कि संस्वृति, स्वाद और आत्म निर्भरता भी है। लहरी बाई को 'मिलेट वुमन' या 'मिलेट एम्बेसडर' कहा जाता है लेकिन असल में वे उस ज्ञान की प्रतिनिधि हैं जिसे हमने आधुनिकता की दौड़ में लगभग भुला दिया है। इस पारंपरिक ज्ञान के जानकार बीज को खरीदी जाने वाली वस्तु नहीं बल्कि साझा धरोहर मानते थे। ऐसा ही एक महत्वपूर्ण प्रयोग पंजाब के बरनाला जिले के वाहेगुरुपुरा गांव में किसान अमृत चहल कर रहे हैं। अमृत देसी बीज और प्रावृतिक खेती पर आधारित एक ऐसा मॉडल खड़ा कर रहे हैं जो यह दिखाता है कि पारंपरिक बीज केवल भावनात्मक या अतीत से जुड़ा विषय नहीं हैं बल्कि आज के समय में भी वह आर्थिक रूप से टिकाऊ हो सकता है। सहकारी ज्ञान और माव्रेटिग के सहारे उन्होंने यह साबित किया है कि किसान केवल खेत में काम करने वाला मजदूर नहीं है बल्कि अपनी मिट्टी, अपने बीज और अपने बाजार का मालिक भी बन सकता है। उन्होंने वुछ लोगों को स्थाई रोजगार दिया है जो इस बात का संकेत है कि देसी बीजों पर आधारित खेती आजीविका का भी ठोस आधार बन सकती है। इस किसान ने 2023 में बेंगलुरू की एक संस्था के सहयोग से देसी बीज बैंक की स्थापना की। इस बीज बैंक में केवल अनाज ही नहीं हैं बल्कि टमाटर, मिर्च, बैंगन, शलगम, मूली, घीया, तोरी आदि सब्जियों के साथ-साथ गेहूं, धान, बाजरा, मक्की और हरे चारे के पुराने देसी बीज भी संरक्षित हैं। वुल मिलाकर 35-40 फसलों की लगभग 150 किस्मों के बीज उनके यहां मौजूद हैं जो फसल विविधता की याद दिलाते हैं। इससे पता चलता है कि हमारी खेती कभी एकरूप नहीं थी। हर इलाके, हर मौसम और हर समाज के अनुसार उसकी अपनी पहचान थी। आज वृषि वैज्ञानिक जिस फसल विविधता पर जोर देते हैं, हमारे पुरखे उसे स्वाभाविक रूप से अपनाए हुए थे। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के आदिवासी इलाकों में बीज संरक्षण की यह पहचान आज भी जीवित है। वहां की आदिवासी महिलाएं फसल के सबसे अच्छे और पहले पकने वाले दानों को चिन्हित करती हैं।

INFORMS ने 2026 फ्रांज एडेलमैन पुरस्कार के लिए छह फाइनलिस्ट की घोषणा की; इनमें खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग भी शामिल

(जीएनएस)।

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी) को अपनी पहल, "अन्न चक्र" के लिए 2026 के लिए प्रतिष्ठित फ्रांज एडेलमैन पुरस्कार के लिए छह फाइनलिस्ट में शामिल किया गया है। यह ऑपरेशंस रिसर्च (ओ.आर.) आधारित निर्णय समर्थन समाधान है जो राज्य-विशिष्ट लॉजिस्टिक्स को ऑप्टिमाइज करके भारत की सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूत करता है। भारत में संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली के साथ साझेदारी में विकसित, यह पहल चेवी, ठश्कऊक्कअ, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट औरईसीसीओ शू सहित अन्य फाइनलिस्ट के साथ खड़ी है।

फ्रांज एडेलमैन पुरस्कार को व्यापक रूप से "ऑपरेशंस रिसर्च और एनालिटिक्स का नोबेल पुरस्कार" माना जाता है। फ्रांज एडेलमैन पुरस्कार उन्नत एनालिटिक्स के दुनिया के सबसे प्रभावशाली, उच्च-मूल्य वाले अनुप्रयोगों को मान्यता देता है। शीर्ष छह वैश्विक फाइनलिस्ट में नामित होने से 'अन्न चक्र' सार्वजनिक प्रणालियों, सरकारी सुधार और बड़े पैमाने पर लॉजिस्टिक्स ऑप्टिमाइजेशन में विश्लेषणात्मक नवाचार के मॉडल के रूप में अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित गया है।

केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री, श्री प्रल्हाद जोशी ने 'अन्न चक्र' दिसंबर 2025 में आरंभ किया था। 'अन्न चक्र' मजबूत सरकार-संयुक्त राष्ट्र-

अकादमिक सहयोग के माध्यम से विकसित किया गया था और यह पूरे भारत में अनाज की आवाजाही को मजबूत करने के लिए उन्नत ऑप्टिमाइजेशन मॉडल का उपयोग करता है। इसके राष्ट्रीय कार्यान्वयन से निम्नलिखित परिणाम मिले हैं:

अनुमानित वार्षिक बचत 250 करोड़ रुपए

उत्सर्जन में 35% की कमी, जो भारत की जलवायु प्रतिबद्धताओं का समर्थन करती है

दक्षता में वृद्धि जिससे 81 करोड़ से अधिक पीडीएस लाभार्थियों को फायदा होता है, जिसमें सबसे कमजोर जनसंख्या भी शामिल है

फ्रांज एडेलमैन पुरस्कार के फाइनल राउंड के लिए अन्न चक्र का चयन, सार्वजनिक वितरण सुधारों के लिए स्केलेबल, डेटा-ड्रिवन मॉडल के तौर पर इसकी ग्लोबल अहमियत को दिखाता है।

इस महीने की शुरूआत में, "अन्न चक्र" परियोजना को भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद में उऊअ डफ्रक एक्सीलेंस इन मैनेजमेंट साइंस एंड एनालिटिक्स प्रैक्टिस अवॉर्ड 2026 मिला – जो इस पहल के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव को और मजबूत करता है।

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग के सचिव श्री संजीव चोपड़ा ने कहा, "हमें इन प्लेटफॉर्म पर पहचान मिलने पर गर्व है। अन्न चक्र मॉडल सार्वजनिक प्रणाली को मजबूत करने के लिए वैज्ञानिक तरीकों को लागू करने की ताकत को दिखाता है। डब्ल्यूएफपी इंडिया और आईआईटी दिल्ली के साथ हमारी साझेदारी इस मुकाम को हासिल करने में बहुत मददगार रही है।"

2026 के फ्रांज एडेलमैन पुरस्कार के विजेता की घोषणा 12-14 अप्रैल, 2026 को नेशनल हार्बर, मैरीलैंड, यूएसए में क्ठत्रह्नफ्टर एनालिटिक्स+ कॉन्फ्रेंस में की जाएगी।

भारत गल्फूड 2026 में 161 प्रदर्शकों के माध्यम से अपने विविध कृषि-खाद्य इकोसिस्टम का प्रदर्शन करेगा

एपीडा का भारती पवेलियन आठ उच्च क्षमता वाले स्टार्टअप को प्रदर्शित करेगा

भारत पहली बार गल्फूड 2026 में भागीदार देश बना है

(जीएनएस)।

भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) गल्फूड 2026 में अपनी सुदृढ़, विस्तारित और प्रभावशाली मौजूदगी दर्ज करा रहा है, जो वैश्विक कृषि-खाद्य व्यापार में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा को और मजबूत करता है। भारत गल्फूड 2026 में हिस्सेदार देश है, जो कि एक विश्वसनीय स्रोत गंतव्य और वैश्विक खाद्य सुरक्षा एवं सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखलाओं में एक प्रमुख योगदानकर्ता के तौर पर इसके रणनीतिक महत्त्व को रेखांकित करता है।

गल्फूड 2026 में भारत की भागीदारी बीते संस्करणों की तुलना में काफी अधिक है। भारतीय पवेलियन का आकार बीते वर्ष की तुलना में दोगुना हो गया है, जो भारतीय कृषि-खाद्य निर्यात के बढ़ते प्रभाव, भारतीय उत्पादों की बढ़ती वैश्विक मांग और निर्यातकों, संस्थानों और स्टार्टअप्स की बढ़ी हुई भागीदारी को दशार्ता है।

भारत की भागीदारी 1,434 वर्ग मीटर के कुल प्रदर्शनी क्षेत्र में फैली हुई है, जिसमें प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, ताजे और फ्रोजेन उत्पाद, दालें, अनाज, पेय पदार्थ, वैल्यू-एडेड खाद्य उत्पाद और कृषि-निर्यात स्टार्टअप सहित विभिन्न श्रेणियों के 161 प्रदर्शक शामिल हैं। भारतीय पवेलियन निर्यातकों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), सहकारी समितियों, स्टार्टअप, राज्य सरकार की एजेंसियों और राष्ट्रीय संस्थानों को एक साथ लाता है, जो भारत के कृषि-खाद्य इकोसिस्टम और निर्यात की तत्परता का व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है।

भारत की व्यापक कृषि और क्षेत्रीय विविधता को प्रदर्शित करते हुए, 25 राज्यों और क्षेत्रों के प्रदर्शक भाग ले रहे हैं। इनमें असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, केरल, पश्चिम बंगाल (कोलकाता और सिलीगुड़ी सहित), मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र (मुंबई सहित), मेघालय, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड शामिल हैं। यह भागीदारी क्षेत्र-प्रमुख कृषि उत्पादों, जीआई-टैग वाले उत्पादों, जैविक उत्पादों और वैल्यू-एडेड खाद्य उत्पादों को प्रदर्शित करती है, जो अंतरराष्ट्रीय कृषि व्यापार में भारत की बढ़ती भागीदारी को दशार्ती है।

गल्फूड 2026 में भारत की उपस्थिति को कई प्रमुख राष्ट्रीय संस्थानों और सरकारी निकायों की भागीदारी से और भी मजबूती मिली है, जिनमें एनएएफईडी, राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड, राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड, उत्तराखंड बागवानी बोर्ड, स्पाइसेस बोर्ड भारत, टी बोर्ड भारत, राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड, भारतीय चावल निर्यातक संघ (आईआरईएफ), अखिल भारतीय चावल निर्यातक संघ, आईओपीईपीसी, द राइस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ (टीआरईएसीजी), सीओएमएफईडी - बिहार स्टेट मिल्क कोऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड, पंजाब राज्य सहकारी आपूर्ति एवं विपणन संघ लिमिटेड, कृषि विभाग उद्यान निदेशालय, बिहार सरकार, सिक्किम जैविक कृषि विकास एजेंसी और द सेंट्रल अरेकानट एंड कोकोआ मार्केटिंग एंड प्रोसेसिंग कोऑपरेटिव लिमिटेड (क्यांपको) इत्यादि शामिल हैं।

भारत की भागीदारी का एक प्रमुख आकर्षण भारती पवेलियन है, जो निर्यात के लिए तैयार कृषि-खाद्य और कृषि-तकनीक स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एपीडा की प्रमुख पहल है। दुबई वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के स्टार्टअप जोन में स्थित भारती पवेलियन में आठ उच्च क्षमता वाले भारतीय स्टार्टअप प्रदर्शित किए गए हैं, जिनका चयन 100 से अधिक आवेदकों में से राष्ट्रीय स्तर की प्रक्रिया के माध्यम से किया गया है। ये स्टार्टअप एपीडा के विदेश वाले खेत जैसे विजन के अनुरूप नवाचारी उत्पाद, प्रौद्योगिकी-आधारित समाधान और निर्यात-सक्षम प्रस्तुतियों का प्रदर्शन कर रहे हैं।

भारतीय पवेलियन में एक विशेष पाक कला क्षेत्र भी है, जहां पर एक प्रसिद्ध खानसामे भारतीय व्यंजनों का लाइव प्रदर्शन करेंगे। यह अनुभवात्मक क्षेत्र भारत की समृद्ध पाक कला विरासत, विविध क्षेत्रीय स्वादों और भारतीय सामग्रियों की बहुमुखी प्रतिभा को रेखांकित करता है, जिससे खरीदारों की रुचि बढ़ती है और भारतीय खाद्य उत्पादों को वैश्विक स्तर पर सराहना मिलती है।

उत्पाद प्रदर्शन में दालों, अनाजों और अनाजों का एक व्यापक हिस्सा शामिल है, जिसमें भारतीय किस्मों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गई है और भारत को विश्व के अग्रणी मुख्य खाद्य उत्पादकों और निर्यातकों में से एक के तौर पर स्थापित किया गया है। प्रदर्शन गुणवत्ता, स्थिरता, पता लगाने की क्षमता और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुपालन पर जोर देते हैं, जिससे वैश्विक बाजार की जरूरतों को पूरा किया जा सके।

गल्फूड 2026 का आयोजन दो प्रमुख जगहों पर किया जा रहा है, और दोनों ही स्थानों पर भारत की मजबूत और स्पष्ट मौजूदगी है। दुबई एक्सपो सिटी में वर्ल्ड फूड हॉल, दालें, अनाज और अनाज हॉल और गल्फूड ग्रीन स्थित हैं, जो स्थिरता, नवाचार और भविष्य की खाद्य प्रणालियों पर केंद्रित हैं। दुबई वर्ल्ड ट्रेड सेंटर (डीडब्ल्यूटीसी) में बेवरेज हॉल और स्टार्टअप हॉल स्थित हैं, जिनमें भारतीय पवेलियन भी शामिल है।

गल्फूड 2026 में भारत की भागीदारी भारत-यूएई व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) से पैदा हुए अवसरों के अनुरूप है, जिसने द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को मजबूत किया है और खाड़ी क्षेत्र में भारतीय कृषि और खाद्य उत्पादों के लिए

NICRA की समीक्षा कार्यशाला एवं (ACASA-I»»fdiÔ) के लॉन्च-कम-यूज केस कार्यशाला का उद्घाटन

प्रविष्टि तिथिः 23 खअठ 2026 4:05ढट੍८ ढक्ह ऊै

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) और बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया (BISA) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय जलवायु-सहिष्णु कृषि नवाचार (NICRA) की समीक्षा कार्यशाला तथा एटलस ऑफ क्लाइमेट अडेप्टेशन इन इंडियन एग्रीकल्चर (ACASA-I»»fdiÔ) के लॉन्च-कम-यूज केस कार्यशाला का उद्घाटन आज नई दिल्ली में डॉ. एम. एल. जाट, सचिव (DARE) एवं महानिदेशक (ICAR) द्वारा किया गया।

इस कार्यशाला का उद्देश्य NICRA के 15 वर्षों के अनुभवों का समेकन करना, जलवायु सहनशीलता में भारत

की उपलब्धियों का आकलन करना तथा समेकित विज्ञान, नीति-संरेखण और लक्षित निवेश के माध्यम से जलवायु-सहिष्णु कृषि-खाद्य प्रणालियों को सुदृढ़ करने के लिए एक डेटा-आधारित रोडमैप तैयार करना था।

सभा को संबोधित करते हुए डॉ. जाट ने कहा कि बसंत पंचमी, जो ज्ञान और नवचेतना का प्रतीक है, इस अवसर पर, भारत की जलवायु सहनशीलता की यात्रा पर विचार करने तथा आकाशा एटलस और NICRA पोर्टल जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय ज्ञान प्लेटफॉर्म के शुभारंभ के लिए एक उपयुक्त अवसर है। NICRA के 15 वर्ष पूरे होने पर उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम अब एक ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर है जहाँ स्पष्ट रणनीतिक दिशा और दीर्घकालिक दृष्टि की आवश्यकता है। बार-बार आने वाली जलवायु चुनौतियों के बावजूद, विशेषकर वर्षा-आश्रित क्षेत्रों में भारतीय कृषि ने उल्लेखनीय सहनशीलता और उत्पादकता वृद्धि दिखाई है, जो जलवायु-सहिष्णु तकनीकों, सहायक नीतियों और संस्थागत समन्वय की प्रभावशीलता को दशार्ती है।

उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भारत की जलवायु सहनशीलता एक एकीकृत तंत्र पर आधारित है, जिसमें विज्ञान, नीतिगत समर्थन, तकनीकी नवाचार, सामाजिक सुरक्षा, मानव संसाधन और समन्वित कार्यान्वयन शामिल हैं। NICRA, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, पशुधन एवं मत्स्य मिशन जैसी पहलें मिलकर किसानों की अनुकूलन क्षमता और आजीविका को सुदृढ़ कर रही हैं। आगे की दिशा बताते हुए डॉ. जाट ने डेटा, अनुभवों और निवेशों को एकीकृत राष्ट्रीय जलवायु कार्य मंच में समाहित करने, सम्पूर्ण-सरकार और सम्पूर्ण-समाज दृष्टिकोण अपनाने तथा एक केंद्रीकृत डेटा पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकता पर बल दिया।

महानिदेशक (ICAR) ने दोहराया कि भारत का अनुभव विज्ञान-आधारित और नीति-संरेखित समाधानों की एक मजबूत वैश्विक मिसाल प्रस्तुत करता है, जो जलवायु दबावों के बीच कृषि-खाद्य प्रणालियों की सुरक्षा में सहायक है। इस संदर्भ में ठकऊफ्ळ को जलवायु-सहिष्णु कृषि के लिए एक संभावित वैश्विक मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर उन्होंने एटलस ऑफ क्लाइमेट अडेप्टेशन इन इंडियन एग्रीकल्चर (ACASA-I»»fdi) का औपचारिक शुभारंभ भी किया। यह ICAR के नेतृत्व वाले NARES द्वारा BISA-CIMMYT के सहयोग से विकसित एक वेब-आधारित डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जो स्थान-विशिष्ट और डेटा-आधारित अनुकूलन योजना बनाने में सहायता करेगा।

कार्यक्रम में उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में डॉ. ए. के. नायक, उप महानिदेशक (प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन), ICAR; डॉ. राजबीर सिंह, उप महानिदेशक (कृषि विस्तार), कउअफ्; डॉ. बी. वेंकटेश्वरलु, अध्यक्ष, NICRA विशेषज्ञ समिति; डॉ. वी. के. सिंह, निदेशक, ICAR-केंद्रीय शुष्क भूमि कृषि अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद; तथा डॉ. पी. के. अग्रवाल*, क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रमुख, BISA-CIMMYT शामिल थे।

अपने संबोधन में डॉ. राजबीर सिंह ने कहा कि यह कार्यशाला बड़े पैमाने पर विज्ञान को आगे बढ़ाने और जलवायु कार्रवाई के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाने का महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने भविष्य की जलवायु कार्रवाई और निवेश के लिए मजबूत और विश्वसनीय कार्बन क्रेडिट

टाटा प्ले बिंज ने पेश किया 'शॉट्स' – लघु-नाटकों की दुनिया का पहला समर्पित मंच

लखनऊ, 23 जनवरी 2026: टाटा प्ले बिंज ने अपने मंच पर ह्यशॉट्सह्ण नाम से एक नया कंटेंट शुरू किया है। यह मोबाइल पर देखने के लिए बने छोटे और सीधे (वर्टिकल) ड्रामा वीडियो हैं, जिन्हें कहीं भी, कभी भी तुरंत देखा जा सकता है। शॉट्स सभी टाटा प्ले बिंज सब्सक्राइबर्स को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के मिलेगा। यह लघु नाटक का एक अलग खंड है, जिसमें अलग-अलग क्रिएटर्स और साझेदारों की कहानियाँ एक ही जगह मिलेंगी, जो खाली समय में देखने के लिए बनाई गई हैं।

शॉट्स में 1-2 मिनट के छोटे एपिसोड हैं, जो खास तौर पर मोबाइल पर देखने के लिए बनाए गए हैं। ये वीडियो सफर करते समय, लाइन में खड़े होकर या छोटे अवकाश के दौरान आसानी से देखे जा सकते हैं। शुरूआत में इसमें एक्शन, ड्रामा और थ्रिलर जैसी श्रेणियों में लगभग 160 से ज्यादा लघु नाटक हैं। इस पर अभी बुलेट और स्टेज जैसे साझेदारों का कंटेंट है और आने वाले महीनों में और भी कई साझेदार इनसे जुड़ने वाले हैं। कुल मिलाकर, इसमें 110 घंटे से ज्यादा का लघु कंटेंट उपलब्ध है।

यह अनुभव पूरी तरह सीधे (वर्टिकल) देखने के लिए बनाया गया है। इसमें आसान स्क्रॉल, अपने-आप अगला वीडियो चलने और सरल खोज की सुविधा है। शॉट्स, टाटा प्ले बिंज ऐप के अंदर ही मिलता है। होम पेज पर अलग सेक्शन और एक अलग शॉट्स टैब के साथ। इससे लोग बिना कोई नया ऐप बदले या अलग सब्सक्रिप्शन लिए, छोटी-छोटी कहानियाँ आसानी से देख सकते हैं।

शुरूआत में बुलेट और स्टेज मिलकर हिंदी और कई क्षेत्रीय भाषाओं में लघु नाटक की एक विविध श्रृंखला लेकर आए हैं जैसे तमिल, तेलुगु, बंगाली और मराठी। शॉट्स पर हिंदी में इश्क किल्स, डिवोर्स के लिए कुछ भी करेगा, रेंट ए बॉयफ्रेंड, मैं हूं अपराजिता तथा तेलुगु में हैं, वन लास्ट राइड देख सकते हैं। इतना ही नहीं, अगर अन्य क्षेत्रीय लघु नाटक की बात करें, तो 12वीं आला प्यार और गौरव की स्वीटी (हरियाणवी), आफत या प्यार और हॉरर हवेली (राजस्थानी में) हैं।

टाटा प्ले की चीफ कमर्शियल और कंटेंट ऑफिसर पल्लवी पुरी ने बताया कि, 'छोटे और सीधे (वर्टिकल) वीडियो अब बहुत तेजी से लोगों के बीच लोकप्रिय हो गए हैं और मोबाइल पर वीडियो देखना एक आम तरीका बन चुका है। लोग अब तुरंत और बार-बार वीडियो देखना पसंद करते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए हमने शॉट्स पेश किया है जो इन नई आदतों से मेल खाता है। यह अलग-अलग साझेदारों के लघु नाटक एक ही जगह उपलब्ध कराता है। हम मोबाइल के लिए बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के अच्छी कहानियाँ उपलब्ध कराके दर्शकों की बदलती आदतों के अनुरूप खुद को ढाल रहे हैं और अपने साझेदारों को भी ज्यादा लोगों तक पहुँचने में मदद कर रहे हैं।'

शॉट्स की शुरुआत से भारत में सबसे विस्तृत ओटीटी मंच के रूप में टाटा प्ले बिंज की स्थिति मजबूत हुई है। इस पर छोटे वीडियो के साथ लंबी कहानियाँ भी देखी जा सकती हैं, ताकि लोग रोज एक ही ऐप में बार-बार और देर तक मनोरंजन प्राप्त कर सकें।

शॉट्स टाटा प्ले बिंज पर अन्य लोकप्रिय ओटीटी मंचों जैसे प्राइम वीडियो, जियोहॉटस्टार, जी5, एप्पल टीवी+, लॉयंसगेट, फैनकोड, अहा, सन नैक्स्ट, डिस्कवरी+, बीबीसी प्लेयर, शेमारूमी, हंगामा, एपिकॉन, चौपाल, स्टेज, वेव्स, क्लिक, मनोरमामैक्स, नम्माफ्लिक्स, आईस्ट्रीम, टाईम्स प्ले, पीटीसी प्ले, तरंग प्लस, प्लेफ्लिक्स, डॉक्यूबे, ट्रैवलएक्सपी, व्रॉट, एनीमैक्स, हॉलमार्क+, फ्यूज+, अल्ट्रा प्ले, अल्ट्रा झक्कास, शॉर्ट्स टीवी, क्यूरियोसिटी स्ट्रीम और डिस्ट्रो टीवी में शामिल हो जाएगा। इन सभी मंचों के कार्यक्रम टाटा प्ले बिंज के दर्शक एकल सदस्यता और एकल उपयोगकर्ता इंटरफेस द्वारा देख सकेंगे। इसके अलावा, टाटा प्ले डीटीएच ग्राहक डीटीएच चैनलों के साथ मिश्रित पैक में नेटफ्लिक्स देख सकते हैं, जबकि डीटीएच कनेक्शन वाले टाटा प्ले बिंज ग्राहक ऐड-ऑन के रूप में अमेजन प्राइम वीडियो देख सकते हैं। ग्राहक एलजी, सैमसंग और एंड्रॉयड और विडा ओएस स्मार्ट टीवी, टाटा प्ले बिंज+ एंड्रॉयड सेट टॉप बॉक्स, अमेजन फायरटीवी स्टिक के टाटा प्ले संस्करण तथा ६६६.ळंइंस्र'८इल्लीं੍ङ्कें पर इन सभी 30+ ऐप्स का आनंद ले

आईआईसीडीईएम का समापन 'दिल्ली घोषणापत्र 2026' को औपचारिक रूप से अपनाने के साथ हुआ

(जीएनएस)।

1. भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा आयोजित लोकतंत्र एवं चुनाव प्रबंधन पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईआईसीडीईएम)-2026 आज नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में ह्यदिल्ली घोषणापत्र 2026ह्ण को अपनाने के साथ संपन्न हुआ।

2. मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) श्री ज्ञानेश कुमार के साथ निर्वाचन आयुक्त (ईसी) डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी, 42 निर्वाचन प्रबंधन निकायों (ईएमबी) के प्रमुख, 70 से अधिक राष्ट्रीय संस्थानों के विशेषज्ञ, निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ अधिकारी तथा राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 36 मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) भी आईआईसीडीईएम-2026 के समापन सत्र में उपस्थित रहे।

3. समापन सत्र के दौरान, मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने ह्यदिल्ली घोषणापत्र 2026ह्ण का पाठ प्रस्तुत किया, जिसे सभी निर्वाचन आयोगों द्वारा सर्वसम्मति से अपनाया गया। निर्वाचन आयोगों ने घोषणा के पांच प्रमुख स्तंभों मतदाता सूचियों की शुद्धता, चुनाव प्रक्रिया संचालन, अनुसंधान एवं प्रकाशन, प्रौद्योगिकी के उपयोग और प्रशिक्षण व क्षमता निर्माण पर सामूहिक रूप से कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। सभी प्रतिभागियों ने अपनी प्रगति की समय-समय पर समीक्षा करने का भी संकल्प लिया और 3, 4 तथा 5 दिसंबर 2026 को नई दिल्ली स्थित भारतीय अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं चुनाव प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम) में बैठक आयोजित करने का प्रस्ताव रखा। (पूर्ण पाठ संलग्न है)।

4. निर्वाचन प्रबंधन निकायों ने विश्व के लोकतंत्रों पर एक सह-संकलित वैश्विक विश्वकोश के अंतर्गत, अंतर्राष्ट्रीय आईडीईए के नेतृत्व में सात विषयों और आईआईआईडीईएम के नेतृत्व में 36 विषयों पर व्यापक रिपोर्टें प्रकाशित करने का संकल्प लिया। इसके अतिरिक्त, ईसीआईनेट के समान डिजिटल प्लेटफार्मों के सह-विकास व चुनाव प्रक्रिया संचालन और मतदाता सूची तैयार करने में व्यावसायिकता को सुदृढ़ करने के लिए आईआईआईडीईएम के माध्यम से पारदर्शी प्रथाओं के प्रशिक्षण एवं आपसी आदान-प्रदान को बढ़ावा देने पर भी सहमति व्यक्त की गई।

5. अपने मुख्य भाषण में मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने कहा कि इस सम्मेलन ने आदर्श अंतर्राष्ट्रीय चुनावी मानकों पर विमर्श को नई गति प्रदान की है। उन्होंने सम्मेलन के दौरान आयोजित 40 से अधिक द्विपक्षीय बैठकों का उल्लेख किया और कहा कि इन बैठकों से आपसी सहयोग के विस्तार के साथ-साथ सामूहिक प्राथमिकताओं एवं दृष्टिकोणों की बेहतर समझ विकसित हुई है।

6. निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू ने समापन सत्र में अपने संबोधन में कहा कि खुलापन, आपसी सम्मान और एक-दूसरे से सीखने की तत्परता वैश्विक चुनावी समुदाय की परिपक्वता एवं व्यावसायिकता को प्रतिबिंबित करती है।

7. निर्वाचन आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने अपने संबोधन में कहा कि ईसीआईनेट का शुभारंभ भारतीय तकनीकी प्रगति की दिशा में एक महत्वपूर्ण आधार रहा है। उन्होंने कहा कि इस पहल ने निर्वाचन आयोग द्वारा प्रौद्योगिकी को दिए गए महत्व को उजागर किया है, जिससे इसके सुनियोजित एवं विवेकपूर्ण अपनाने को बल मिला है। यह सुनिश्चित हुआ है कि प्रौद्योगिकी विश्वास को प्रतिस्थापित करने के बजाय उसको बढ़ावा देती है।

8. यह अपनी तरह का पहला और सबसे बड़ा तीन दिवसीय सम्मेलन था, जो भव्य स्वागत समारोह एवं उद्घाटन सत्र के साथ प्रारंभ हुआ, जिसमें 42 विदेशी दूतावासों के अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों तथा 27 देशों के मिशन प्रमुखों सहित लगभग 1,000 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

9. निर्वाचन प्रबंधन निकायों के प्रतिनिधियों की पूर्ण बैठक में प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुख तथा राजदूतों/उच्चायुक्तों ने लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन पर उच्च स्तरीय विचारों के आदान-प्रदान हेतु एक मंच साझा किया।

10. आईआईसीडीईएम के दूसरे दिन, निर्वाचन आयोग की सभी चुनाव संबंधी सूचनाओं एवं सेवाओं को एक ही मंच पर उपलब्ध कराने वाले एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म ह्यईसीआईनेटह्ण का शुभारंभ किया गया।

11. आईआईसीडीईएम के दौरान, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के नेतृत्व में गठित 36 विषयगत समूहों ने अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों के साथ भाग लिया।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

बसंत पंचमी पर सरस्वती पूजन के बाद हुई पत्रकारों की कार्यशाला और सम्मान समारोह

फिरोजाबाद टूंडला बसंत पंचमी के मौके पर प्रेस क्लब टूंडला द्वारा सरस्वती पूजा पत्रकारों की कार्यशाला और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

सुभाष चौराहा स्थित श्री राम शारदा बैंकट हॉल में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती पूजन के साथ हुई आचार्य मुकेश त्रिपाठी ने विधि विधान से मां सरस्वती के सम्मुख पूजा अर्चना प्रारंभ की लगभग 1 घंटे चली पूजा के दौरान प्रेस क्लब के अध्यक्ष सत्येंद्र डाकरे महासचिव रंजीत गुप्ता उपाध्यक्ष राजीव गौतम उपाध्यक्ष बृजपाल परमार कोषाध्यक्ष नारायण शास्त्री शहर कोषाध्यक्ष रामपाल चौधरी सह सचिव विपिन कुमार दुर्गेश यादव श्याम पाठक जे पी सिंह आदि उपस्थितरहे।

इसके बाद प्रेस क्लब द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जन्म जयंती के मौके पर सुभाष चौराहा स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

सरस्वती पूजा के बाद सरकार कार्यशाला का आयोजन किया गया, कार्यशाला का शुभारंभ मां सरस्वती के मंत्रों के उच्चारण के साथ किया गया। पत्रकार कार्यशाला में डॉ संजीव जैन द्वारा पत्रकारों की भूमिका और पत्रकारिता की आवश्यकता पर प्रकाश डाला इसके बाद जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी निधि सिंह द्वारा पेशेवर पत्रकारिता में चुनौतियों और पत्रकारिता धर्म पर व्याख्यान देते हुए पत्रकारिता के महत्व पर प्रकाश डाला।

पत्रकार जेपी सिंह द्वारा वर्तमान परिस्थितियों में पेशेवर पत्रकारता के

सामने आ रही चुनौतियों के विषय में अपना पक्ष रखते हुए पत्रकारिता के पहलुओं पर चर्चा की।

योगेंद्र उपाध्याय द्वारा मां सरस्वती के प्राकट्य दिवस पत्रकारिता लेखन और कविता को मां सरस्वती का आशीर्वाद बताते हुए कहा कि यह लोकतंत्र और समाज की आवश्यकता है की समझ में लेखक और पत्रकार स्वतंत्र रूप से अपनी भूमिका निभाएं जिससे समाज में निरंतर जन जागरण चलता रहे।

कवि चेतन बिहारी सक्सेना मां सरस्वती की कृपा उनके प्रकट उत्सव कविता और लेखन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लेखक हमेशा समाज का शुभचिंतक होता है । मां सरस्वती की कृपा से पत्रकार और लेखक समाज के शुभचिंतक है और वह समाज के हित के लिए निरंतर कार्य करते हैं।

भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने जीवन समाज के लिए पत्रकार और पत्रकारिता को हम बताया उन्होंने कहा कि पत्रकार विषम परिस्थितियों में समाज के लिए काम करते हैं।

कार्यक्रम में मौजूद कवि दिलीप गौर ने अपनी कविताओं के जरिए पत्रकार कार्यशाला में अपने विचार रखें उन्होंने अपनी कई प्रसिद्ध कविताएं सदन में उपस्थित लोगों के समक्ष रखी लोगों ने उनकी कविताओं को खूब सराहा।

कार्यक्रम में फ मेडिकल कॉलेज के अध्यक्ष रेहान खान द्वारा सरस्वती मां के प्रकट दिवस पर अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि मां सरस्वती की आराधना किसी भी कार्यक्रम से पहले की जाती है क्योंकि मां का स्मरण आज्ञा के अंधेरे को दूर कर ज्ञान का प्रकाश देता है और किसी भी व्यक्ति का ज्ञान ही उसे श्रेष्ठ बनाता है उन्होंने पत्रकारों की निर्भीकता और हर जगह उपलब्धता को लेकर कहा कि पत्रकार विषम परिस्थितियों में भी उसे जगह पहुंचते हैं जहां बहुत जल्दी कोई भी नहीं पहुंच पाता। पत्रकार का लक्ष्य समाज के सामने किसी भी घटना के तथ्यों के साथ प्रस्तुत करना होता है जिससे समाज के सामने निष्पक्ष खबरें आ सकें।

जिला विद्यालय निरीक्षक धीरेंद्र सिंह यादव ने मौजूदा परिस्थितियों में पत्रकारों की भूमिका को हम बताया उन्होंने कहा कि पत्रकार सदैव समाज को दिशा देने का काम करते हैं सरकार प्रशासन और जनता के बीच की कड़ी है पत्रकार। यह कड़ी जितनी जागरूक और मजबूत होगी समाज भी उतना ही जागरूक और सशक्त होगा।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष पांडे द्वारा पत्रकार कार्यशाला में पत्रकारों की मेहनत और उनके नजरिए की सराहना करते हुए कहा की पत्रकार सदैव समाज को आईना दिखाने का काम करते हैं मौजूदा परिस्थितियों में कई बार एक पक्ष को सुनकर ही खबर दाग दी जाती है लेकिन जवाब दूसरे पक्ष की बात सुनेंगे और करेंगे तो निश्चित तौर पर खबर निष्पक्ष होगी।

कार्यक्रम में वर्तमान जिला अध्यक्ष वृंदावन लाल गुप्ता ने पत्रकारिता पर प्रकाश डालते हुए कहा के पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और यह स्तंभ जितना मजबूत और पारदर्शी होगा यह लोकतंत्र के स्वस्थ होने की निशानी है।

टूंडला के उप जिलाधिकारी अंकित वर्मा ने मीडिया को समाज की जरूरत बताते हुए कहा कि मीडिया हमें हर छोटी बड़ी खबर से रूबरू कराती है लेकिन आज के परिदृश्य में कड़

श्री कमलनयन बजाज की 111 वीं जयंती पर उनके जीवन और विरासत को समर्पित लघु फिल्म का लोकार्पण

श्री शिशिर बजाज और समस्त बजाज समूह परिवार ने अर्पित की श्रद्धांजलि

मुंबई, 23 जनवरी। भारत के प्रख्यात उद्योगपति और स्वाधीनता सेनानी श्री कमलनयन बजाज की 111वीं जयंती के अवसर पर उनकी गौरवशाली जीवन यात्रा को समर्पित विशेष लघु फिल्म का लोकार्पण उनके सुपुत्र और बजाज फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री शिशिर बजाज द्वारा शुक्रवार, 23 जनवरी, 2026 को किया गया।

बजाज समूह परिवार द्वारा निर्मित और यू-ट्यूब पर उपलब्ध यह विशेष लघु फिल्म श्री कमलनयन बजाज के महान व्यक्तित्व और उनके असाधारण जीवन एवं युग को जीवंत करती है, जिन्होंने बजाज समूह की सच्ची उद्यमशील नींव रखी और भारत की आत्मनिर्भरता की यात्रा को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह स्मृतिजनक फिल्म श्री कमलनयन बजाज की उस यात्रा को दशार्ती है, जिसमें वे महात्मा गांधी से प्रेरित एक युवा स्वतंत्रता सेनानी से एक दूरदर्शी उद्योगपति और राष्ट्रनिमार्ता बने। वे मानते थे कि व्यवसाय केवल लाभ कमाने का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र की सेवा करने का एक पुनीत देशभक्ति कर्तव्य है। 23 जनवरी, 1915 को जमनालाल बजाज और जानकीदेवी बजाज के घर जन्मे कमलनयन बजाज तीन महान व्यक्तित्वों के नैतिक प्रभाव में पले-बढ़े—अपने पिता जमनालाल बजाज, अपने मार्गदर्शक महात्मा गांधी और अपने गुरु आचार्य विनोबा भावे। जीवन में प्रवेश करते समय ही उनके मूल्य स्पष्ट थे। मात्र 15 वर्ष की आयु में उन्होंने दांडी मार्च में भाग लिया और स्वदेशी व खादी आंदोलनों के प्रारंभिक समर्थक बने। उस दौर में, जब आर्थिक सशक्तिकरण स्वतंत्रता आंदोलन के लिए आवश्यक था, वे मानते थे कि उद्देश्य पद या सत्ता से पहले आना चाहिए और उद्यम का लक्ष्य राष्ट्रीय हित की सेवा होना चाहिए। लघु फिल्म यह दशार्ती है कि कैसे कमलनयन बजाज ने सचेत रूप से ऐसे उद्योगों की स्थापना की, जिन्होंने भारत की आयात पर निर्भरता को कम किया और 'आत्मनिर्भर भारत' की परिकल्पना को उस समय साकार किया, जब यह शब्द प्रचलन में भी नहीं आया था। अभिलेखीय दृश्यों में उन्हें उत्तर प्रदेश की गोला चीनी मिल का बार-बार दौरा करते हुए दिखाया गया है, जिसे उनके पिता ने चीनी आयात को रोकने के लिए स्थापित किया था। इन दृश्यों में उनका परिवार और उनके छोटे पुत्र शिशिर भी दिखाई देते हैं, जिन्होंने आगे चलकर बजाज हिन्दुस्थान शुगर के बड़े विस्तार का नेतृत्व किया। फिल्म यह भी दशार्ती है कि कैसे उन्होंने उस समय वैश्विक सहयोग स्थापित किये, जब भारत की अर्थव्यवस्था काफी कमजोर थी। ऐसा ही एक सहयोग बजाज इलेक्ट्रिकल्स के लिए वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स कम्पनी फिलिप्स के साथ था और दूसरा इतालवी स्कूटर निमार्ता पियाजियो की वेस्पा के साथ, जिससे बजाज का ऑटोमोबाइल व्यवसाय शुरू हुआ। इन अग्रणी साझेदारियों ने कमलनयन बजाज को बजाज समूह का वास्तविक उद्यमी सिद्ध किया, जिन्होंने मूल्य-आधारित विरासत को एक वैश्विक स्तर पर सम्मानित औद्योगिक समूह में रूपांतरित किया। व्यवसाय से परे, कमलनयन बजाज 15 वर्षों तक महाराष्ट्र के वर्धा क्षेत्र से संसद सदस्य रहे और ग्रामीण समुदायों के सामाजिक व आर्थिक विकास के लिए स्वयं को समर्पित किया। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, राहत कार्यों और सांस्कृतिक संस्थानों को सुदृढ़ करने में निरंतर योगदान दिया। उन्होंने भारत के राजनीतिक एकीकरण में भी एक शांत किंतु महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, विशेष रूप से रियासतों के एकीकरण के दौरान सरदार वल्लभभाई पटेल की सहायता की। इस योगदान का उल्लेख वी.पी. मेनन ने अपनी पुस्तक में किया है। वीडियो में वर्धा स्थित बजाजवाड़ी को भी पुनः दशार्या गया है, जो सौहार्द, संवाद और राष्ट्रीय सेवा का प्रतीक बन गई थी। यहाँ पंडित जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस, सरदार पटेल, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, लाल बहादुर शास्त्री, सरोजिनी नायडू, मोरारजी देसाई, खान अब्दुल गफ्फार खान और यहां तक कि नेपाल के राजा-रानी जैसे अनेक नेता आये। सेवाग्राम आश्रम में गांधीजी से मिलने के लिए ये यात्राएँ इतनी नियमित थीं कि महात्मा गांधी ने बजाजवाड़ी को 'राष्ट्रीय अतिथि गृह' कहा था। लोकार्पण के इस महत्वपूर्ण अवसर पर बजाज फाउंडेशन के चेयरमैन श्री शिशिर बजाज ने कहा कि मेरे पिता का मानना था कि जो हम बनाते हैं वह टिकाऊ होना चाहिये और जो टिकाऊ हो, उसे समाज की सेवा करनी चाहिये। उनके लिए उद्योग, सार्वजनिङ्क

भारत के सुप्रसिद्ध उद्योगपति श्री कमलनयन बजाज की 111 वीं जयंती पर निर्मित विशेष लघु फिल्म का एक दृश्य एवं नवनिर्मित लघु फिल्म का यू-ट्यूब लिंक।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत मिल्कीपुर में विधायक चन्द्रभानु पासवान की मौजूदगी में हुआ भव्य आयोजन

मिल्कीपुर।अयोध्या जनपद के मिल्कीपुर क्षेत्र में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत एक भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम स्थल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, मिल्कीपुर में आयोजित इस समारोह में कुल 190 जोड़ियों का विधि-विधान से विवाह संपन्न हुआ। मीडिया से बात करते हुए विधायक चन्द्रभानु पासवान ने कहा हमारी सरकार का मकसद गरीबों वंचितों की सहायता करना है जिसके तहत इस तरह की योजना भाजपा सरकार की तरफ से चलाई जा रही है जिससे हमारी बहनों का विवाह कुशलता पूर्वक संपन्न हो पाया है।

इस अवसर पर मिल्कीपुर ब्लॉक से 65 जोड़ियां, हैरिंग्टनगंज ब्लॉक से 52 जोड़ियां, अमानीगंज ब्लॉक से 62 जोड़ियां, जबकि नगर पंचायत क्षेत्र से 8 जोड़ियां शामिल रहीं। इसके साथ ही अल्पसंख्यक समुदाय की 3 जोड़ियों का भी विवाह इस सामूहिक आयोजन में संपन्न कराया गया।

कार्यक्रम में नवविवाहित जोड़ों को शासन की ओर से निर्धारित उपहार व सहायता राशि प्रदान की गई। आयोजन में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही। पूरे समारोह का माहौल उत्सवपूर्ण एवं अनुशासित रहा।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए एक सराहनीय पहल है, जो सामाजिक समरसता और समानता को मजबूती प्रदान करती है।

उक्त अवसर पर जनदिन मौर्य पूर्व सांसद प्रतिनिधि, अशोक मिश्रा जिला पंचायत सदस्य ,बबलू पासी जिला पंचायत सदस्य, सरजू दुबे भाजपा नेता,गंगदीन रावत, सियाराम रावत, ब्रह्म प्रकाश शुक्ल, अमरेंद्र मौर्य मंडल अध्यक्ष कुमारगंज, संदीप चौधरी मंडल अध्यक्ष कुचेरा, विजय प्रकाश चौरसिया मण्डल अध्यक्ष हैरंग्टीनगंज आदि सहित हजारों की संख्या में कार्यकर्ता व आगंतुक मौजूद रहे।

वासन्तिका उत्सव में नृत्यांगनाओं ने नृत्य के माध्यम से सरस्वती जी को पुष्पांजलि अर्पित की

(जीएनएस)।

लखनऊ। श्री नृत्यधाम दक्ष फाउंडेशन के तत्वावधान में आज जानकीपुरम गार्डन, सेक्टर-डी, प्लॉट नंबर- 1063 जानकीपुरम में बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में आयोजित वासंतिका उत्सव में नृत्यांगनाओं ने नृत्य के माध्यम से विद्या की देवी सरस्वती जी को पुष्पांजलि अर्पित की।

वासंतिका उत्सव का शुभारंभ पीले वस्त्रों में नृत्यांगनाओं एवं महिलाओं ने विद्या व संगीत की देवी मां सरस्वती की पूजा-अर्चना और हवन से हुआ।

निशी मिश्रा के संयोजन में आयोजित वासन्तिका उत्सव में दक्षता तिवारी, विदुषी सिंह, विदुषी अवस्थी, शिवि, रक्षिता, अद्रिका और रेहा आदि अन्य बाल नृत्यांगनाओ ने पिया आयो वसंत पर नृत्य प्रस्तुत कर विद्या की देवी सरस्वती जी के चरणों में अपने अगाध श्रद्धा अर्पित की।

वासंतिका के अगले सोपान में पीहू, काश्वी, सानवी, ईशी, अनायरा, अदीरा, काव्या, उत्सवी और रिद्धिमा सहित अन्य बाल और युवा नृत्यांगनाओं ने कथक नृत्य शैली में सरस्वती वंदना मां सरस्वती शारदे पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर विद्या की देवी सरस्वती जी को पुष्पांजलि अर्पित की। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि गुरू मां वीना सेवक, विशिष्ट अतिथि डॉ. शगुफ़्ता और डॉ.शालिनी अवस्थी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर उत्कर्ष मिश्रा, लता मिश्रा, निष्कर्ष सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

केजीएमयू का नया इलाज, जाम और अवैध मार्केट को छोड़, मजार पर चस्पा किया नोटिस!

आस्था पर प्रहार कर योगी सरकार को बदनाम करने की रची जा रही है साजिश ?

(जीएनएस)।

लखनऊ। अपनी तहजीब और हिंदू-मुस्लिम भाईचारे के लिए मशहूर नवाबों के शहर में प्रशासन के एक हालिया कदम ने जनता के बीच रोष पैदा कर दिया है। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय डऋत्व परिसर के पास स्थित एक प्राचीन मजार पर नोटिस चस्पा किए जाने को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। लोगों और जानकारों का मानना है कि यह कदम केवल आस्था पर प्रहार नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की छवि को धूमिल करने की एक प्रशासनिक साजिश हो सकती है।

तर्क दिया जा रहा है कि यह दरगाह तब से अस्तित्व में है जब डऋत्व की कई आधुनिक इमारतों का वजूद भी नहीं था। यह महज ईंट-पत्थर का ढांचा नहीं, बल्कि हजारों लोगों की आस्था का केंद्र है। ऐसे में अचानक इसे अतिक्रमण की श्रेणी में रखकर नोटिस देना अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करता है।

शहर का पांडेगंज इलाका आज भी भारी जाम और अवैध अतिक्रमण की चपेट में है। सालों पहले दालमंडी को मुल्लापुर, नई गल्ला मंडी शिफ्ट करने के आदेश दिए गए थे, लेकिन आज भी दुकानदार वहां जमे हुए हैं। प्रशासन इन अवैध माकेर्टों को हटाने में नाकाम रहा है, जिससे जनता को रोज जाम की समस्या से जूझना पड़ता है। शहर के कई व्यावसायिक इलाकों में अवैध कब्जे और बेतरतीब निर्माण के कारण आम नागरिक परेशान हैं। वहां बुलडोजर या नोटिस क्यों नहीं पहुंचता?

लखनऊ अपनी एकता के लिए जाना जाता है। ऐसे समय में जब सरकार विकास और कानून-व्यवस्था पर ध्यान दे रही है, कुछ अधिकारी इस तरह के संवेदशील मुद्दे उठाकर जनता के बीच क्रोध पैदा कर रहे हैं। यह संदेह पैदा करता है कि क्या कुछ अधिकारी जानबूझकर ऐसे विवाद खड़ा कर रहे हैं जिससे जनता सरकार के विरुद्ध सोचने पर मजबूर हो जाए।

शासन को हस्तक्षेप की आवश्यकता है, यह मजार का मामला नहीं, बल्कि शहर के सांप्रदायिक सौहार्द का है। किसी भी पुराने धार्मिक स्थल पर कार्रवाई करने से पहले शासन को उसके ऐतिहासिक महत्व और जन-भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। प्रशासन को चाहिए कि वह शहर के असली नासूर जाम और अवैध मार्केट पर ध्यान दे, न कि ऐसे कदम उठाए जिससे सरकार की बदनामी हो और शहर का माहौल खराब हो।

आलमबाग में खुला टॉपर्सैकर्स का चौथा संस्थान, हुआ टॉपर्सटॉक का आयोजन

लखनऊ। ज्ञान, विद्या और बुद्धि की देवी माँ सरस्वती को समर्पित वसंत पंचमी के शुभ अवसर पर टॉपर्सैकर्स लखनऊ में ह्यटॉपर्स टॉकह्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जब टॉपर्स ने स्वयं अपनी सफलता की कहानी साझा की, तो माहौल प्रेरणा और उत्साह से भर गया। कार्यक्रम के साथ ही टॉपर्सैकर्स के चौथे संस्थान का आलमबाग में आधिकारिक उद्घाटन शौर्यवर्धन और अपूर्वश्री एवं उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक की धर्मपत्नी नम्रता पाठक ने किया।

टॉपर्स टॉक कार्यक्रम में टॉपर्सैकर्स के होनहार छात्र शौर्यवर्धन और अपूर्वश्री ने अपने सहपाठियों और जूनियर छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता न तो एक दिन की मेहनत से मिलती है और न ही केवल किस्मत से। इसके लिए निरंतरता, अनुशासन और एक समान जज्बे के साथ की गई मेहनत जरूरी है। उन्होंने बताया कि किसी भी परीक्षा की तैयारी के लिए 12-14 घंटे पढ़ाई करना आवश्यक नहीं, बल्कि यह जरूरी है कि जो भी पढ़ा जाए, वह पूरी एकाग्रता और फोकस के साथ हो तथा कॉन्सेप्ट को गहराई से समझा जाए।

टॉपर्स ने छात्रों को किताबों तक सीमित न रहने की सलाह देते हुए

कहा कि अपने विषय से जुड़े घटनाक्रमों और व्यावहारिक उदाहरणों को समझना भी उतना ही आवश्यक है, क्योंकि प्रैक्टिकल समझ थ्योरी को और मजबूत बनाती है। इस दौरान उन्होंने लीगलएज को धन्यवाद देते हुए उसके रिवीजन पैटर्न और अकादमिक सिस्टम की सराहना की। उन्होंने कहा कि लीगलएज एक ऐसा संस्थान है जो रिवीजन थ्योरी, मॉक टू-वन मेंटरिंग और पैरेंट्स-टीचर मीटिंग पर विशेष ध्यान देता है।

इस अवसर पर लीगलएज लखनऊ के निदेशक विशाल शर्मा ने कहा कि संस्थान की हर सफलता और हर नया कदम उसके छात्र-छात्राओं की मेहनत और विश्वास का परिणाम है। उन्होंने बताया कि टॉपर्स टॉक कार्यक्रम और टॉपर्सैकर्स के चौथे संस्थान का उद्घाटन आलमबाग में किया गया है, जिसके पीछे छात्रों की उपलब्धियों की अहम भूमिका रही है।

निदेशक विशाल शर्मा ने जानकारी दी कि इस वर्ष लीगलएज के छात्रों ने एआईआर-1, एआईआर-2 और एआईआर-3 सहित टॉप-10 में कुल 7 रैंक हासिल कर राष्ट्रीय स्तर पर संस्थान की सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि किसी संयोग का परिणाम नहीं, बल्कि छात्रों और फैकल्टी की एकजुट मेहनत और समर्पण का नतीजा है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता परवेज आलम भुट्टो ने किया लखनऊ जायका रेस्टोरेंट का उद्घाटन

जौनपुर। कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रत्याशी एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता परवेज आलम भुट्टो ने गुरुवार को शहर के किला रोड जौनपुर क्षेत्र स्थित लखनऊ जायका रेस्टोरेंट का फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया। यह रेस्टोरेंट जायका किला रोड, जौनपुर पर स्थापित किया गया है, जहां लखनऊ की पारंपरिक और शाही व्यंजनों का स्वाद लोगों को उपलब्ध कराया जाएगा।

उद्घाटन के अवसर पर परवेज आलम भुट्टो ने कहा कि ऐसे रेस्टोरेंट न केवल स्थानीय लोगों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करते हैं, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित करते हैं। उन्होंने रेस्टोरेंट संचालक को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि लखनऊ की तहजीब और जायके को जौनपुर में लाना सराहनीय पहल है।

इस मौके पर शहर के गणमान्य लोग, कांग्रेस कार्यकर्ता, समाजसेवी एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ।

जश्न-ए-विलादत, फूलों और रोशनी से महका शहर-ए-अदब,

काजमैन से दरगाह तक: उमड़ा इमाम के चाहने वालों का सैलाब,

लखनऊ। तहजीब के शहर लखनऊ ने एक बार फिर अपनी रिवायतों को जिंदा करते हुए इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम की विलादत जन्म का जश्न बेहद शायाने-शान तरीके से मनाया। पुराने शहर के जर्रे-जर्रे में इमाम की मोहब्बत का नूर बिखरा नजर आया और फिजाएं 'या हुसैन' के गूंजते तरानों से सराबोर रहीं।

तीन शाबान की मुबारक तारीख पर काजमैन की सरजमीं से जुलूस-

ए-हुसैन का आगाज हुआ। यह सिर्फ एक जुलूस नहीं, बल्कि इमाम के चाहने वालों की अटूट वफा का इजहार था। सजे-धजे रास्तों, झिलमिलाती रोशनी और महकते फूलों के बीच यह कारवां टापे वाली गली और काजमैन रोड से होता हुआ जब दरगाह हजरत अब्बास (अ.स.) पहुंचा, तो हर तरफ खुशियों का सैलाब नजर आया।

बजाजा, गोलागंज और मुफ्तीगंज की गलियों में बच्चों की खिलखिलाहट और बुजुर्गों की आंखों में चमक बता रही थी कि यह दिन उनके लिए कितना मुकद्दस है। इमाम की आमद की खुशी में जगह-जगह नज़्र-ओ-नियाज का सिलसिला चला और लंगर के जरिए खिदमत-ए-खल्क इंसानियत की सेवा की मिसाल पेश की गई।

इस रूहानी महफिल का सबसे खूबसूरत पहलू वह दुआएं थीं, जो मुल्क की तरक्की और आपसी भाईचारे के लिए मांगी गईं। लोगों ने न सिर्फ इमाम की विलादत का जश्न मनाया, बल्कि उनके बताए हुए हक और सच्चाई के रास्ते पर चलने का संकल्प भी दोहराया। हुसैन सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि जुल्म के खिलाफ एक बुलंद आवाज और इंसानियत की पहचान हैं।

रिफाइनरी पुलिस ने दबोचा मादक पदार्थ तस्कर : भारी मात्रा में गांजा बरामद

मथुरा (जीएनएस)। थाना रिफाइनरी क्षेत्र स्थित कपनावल अंडरपास के निकट से पुलिस ने एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी रिफाइनरी अजय कौशल और चौकी प्रभारी बाद लोकेन्द्र सिंह पुलिस टीम के साथ मादक पदार्थ तस्करों की तलाश में जुटे हुए थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि करनावल अंडरपास के निकट रांची बांगर रोड़ पर एक मादक पदार्थ तस्कर खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अजय कौशल और चौकी प्रभारी

लोकेन्द्र सिंह पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को आते हुए देखकर वहां खड़ा तस्कर भागने लगा। पुलिस टीम ने भागने का प्रयास कर रहे शातिर मादक पदार्थ तस्कर अतुल पुत्र बादाम सिह निवासी रांची बांगर थाना रिफाइनरी को घेराबंदी करके दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए तस्कर की तलाशी ली तो उसके कब्जे से 1 किलो 150 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

कन्नौज लूट-हत्या कांड का पदार्फाश, एक लाख का इनामी बदमाश एसटीएफ की गिरफ्त में

(जीएनएस)।

जनपद कन्नौज में हुए सनसनीखेज लूट और हत्या के मामले में फरार चल रहे एक लाख रुपये के इनामी अभियुक्त को एसटीएफ उत्तर प्रदेश ने आखिरकार गिरफ्तार कर लिया है। लंबे समय से पुलिस को चकमा दे रहा पंकज चौहान उर्फ जसवंत 23 जनवरी 2026 की तड़के कन्नौज के तिर्वा थाना क्षेत्र से दबोचा गया। उसकी गिरफ्तारी को एसटीएफ की बड़ी सफलता माना जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना कोतवाली कन्नौज में दर्ज मुकदमा संख्या 744/2025, धारा 309(6) और 103(1) बीएनएस के तहत लूट और हत्या के इस मामले में पंकज चौहान उर्फ जसवंत वांछित चल रहा था। अभियुक्त की गिरफ्तारी पर कानपुर जोन के अपर पुलिस महानिदेशक द्वारा एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

एसटीएफ को लगातार सूचनाएं मिल रही थीं कि इनामी अपराधी अलग-अलग जिलों में छिपकर आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक एसटीएफ लखनऊ संजीव कुमार दीक्षित के पर्यवेक्षण में टीमें सक्रिय की गईं। उपनिरीक्षक विनोद कुमार सिंह के नेतृत्व में एसटीएफ की टीम जनपद बलरामपुर, गोंडा और कन्नौज में भ्रमण कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि वांछित अभियुक्त कन्नौज में किसी से मिलने आने वाला है।

सूचना के आधार पर एसटीएफ टीम ने तिर्वा रोड स्थित नायरा पेट्रोल पंप के पास हनुमान मंदिर के नजदीक घेराबंदी की और सुबह करीब 3:40 बजे अभियुक्त पंकज चौहान उर्फ जसवंत को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से चांदी की एक छोटी मूर्ति, चांदी का छल्ला, एक मोबाइल फोन, पंजाब नंबर की मोटरसाइकिल और 16,680 रुपये नकद बरामद किए गए।

पूछताछ में अभियुक्त ने जो खुलासे किए, वे बेहद चौंकाने वाले हैं। उसने बताया कि वह अपने दामाद सूरज कश्यप के साथ लंबे समय से टाइल्स लगाने का काम करता था। इसी सिलसिले में उन्हें कन्नौज के मकरंद नगर निवासी सुनीता देवी के घर काम मिला। काम के दौरान दोनों ने देखा कि घर में काफी नकदी और जेवर रखे हैं। पहले उन्होंने भरोसा जीतने के लिए घरेलू कामों में भी मदद शुरू कर दी।

मौका मिलते ही दोनों ने सुनीता देवी और उनकी बेटी को बंधक बना लिया और लूटपाट की। इस दौरान सुनीता देवी के मुंह में कपड़ा ठूंस दिया गया, जिससे दम घुटने से उनकी मौत हो गई। वारदात के बाद दोनों लूटे गए जेवर और नकदी लेकर बाइक से फरार हो गए।

घटना के कुछ ही दिनों बाद पुलिस ने दामाद सूरज कश्यप को गिरफ्तार कर लिया था और लूट का माल भी बरामद कर लिया गया था, लेकिन मुख्य आरोपी पंकज चौहान लगातार फरार रहा। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह नेपाल, लुधियाना, एनसीआर, बलरामपुर, गोंडा और कन्नौज में छिपता फिरता रहा।

वैदिक विधि-विधान के साथ मनाया गया बसंतोत्सव : पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र और गजकेसरी योग ने बढ़ाई बसंत पंचमी की महिमा

मथुरा (जीएनएस)। दीपक ज्योतिष भागवत संस्थान द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर दीनदयाल नगर में विद्या और बुद्धि ज्ञान की दात्री मां सरस्वती का वैदिक विधि-विधान के साथ पूजन कर बसंतोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित विद्वत गोष्ठी में विचार व्यक्त करते हुए दीपक ज्योतिष भागवत संस्थान के निदेशक ज्योतिषाचार्य पंडित कामेश्वरनाथ चतुर्वेदी ने कहा कि भारतीय पंचांग के अनुसार माघ शुक्ल पंचमी को प्रतिवर्ष ज्ञान, बुद्धि कला और संगीत की देवी मां सरस्वती की आराधना के साथ यह पर्व हर्षोल्लास के साथ सम्पूर्ण भारतवर्ष में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र एवं गजकेसरी योग होने के कारण बसंत पंचमी का पर्व विशेष फलदाई है। गोष्ठी में संस्कृत भारती मथुरा जनपद अध्यक्ष आचार्य ब्रजेन्द्र नागर

ने कहा कि बसंत पंचमी का पर्व ज्ञान, बुद्धि, कला, संगीत की दात्री मां सरस्वती की पूजा कर विद्यार्थी कलाकार, पत्रकार ,संगीतकार साहित्यकार और विद्वान समर्पित करते हैं। बसंत पंचमी का दिन मांगलिक कार्यों के लिए श्रेष्ठ माना जाता है। वहीं ज्योतिषाचार्य पंडित दीपक चतुर्वेदी और शरद शास्त्री ने कहा कि बसंत ऋतु को ऋतुराज कहा गया है, जिसका ब्रह्मवैवर्त पुराण शारदा तिलक आदि अनेक धर्मग्रंथों में वर्णन मिलता है। इसीक्रम में पंकज ज्योतिषाचार्य और आचार्य सौरभ शास्त्री ने कहा कि प्राचीन काल में गुरुकुलों में विद्यार्थियों को विद्या अध्ययन बसंत पंचमी से ही कराया जाता था, इस दिन को अत्यंत शुभ माना जाता है। इस अवसर पर नारायण प्रसाद शर्मा, मनोज, मनीष पाठक, प्रियांशु, तरुण नागर, हरस्वरुप यादव और निरंजन शास्त्री आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। गोष्ठी का शुभारंभ आचार्य ऋषभ देव और गोविंद देव ने वैदिक व पौराणिक मंगलाचरण से किया। गोष्ठी के अंत में मां सरस्वती के वरद पुत्र महाकवि पंडित सूर्यकांत त्रिपाठी निराला एवं मां भारती के अमर सपूत नेताजी सुभाष चन्द्र बोस का स्मरण करते हुए वक्ताओं ने उनके जीवन पर भी प्रकाश डाला।

मशहूर डॉक्टर एवं समाजसेवी सईद अख्तर का निधन, जनाजे में शामिल हुए परवेज आलम भुट्टो

जौनपुर। जौनपुर के मशहूर और मारूफ डॉक्टर तथा समाजसेवी डॉ. सईद अख्तर के निधन से पूरे जनपद में शोक की लहर दौड़ गई। उनके इंतकाल की खबर से चिकित्सा जगत के साथ-साथ सामाजिक क्षेत्र में भी गहरा दुख व्याप्त है।

डॉ. सईद अख्तर के जनाजे में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व प्रत्याशी परवेज आलम भुट्टो शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ. सईद अख्तर का जाना जौनपुर के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि दिवंगत

डॉक्टर न सिर्फ.एक कुशल चिकित्सक थे, बल्कि एक सच्चे समाजसेवी भी थे, जिन्होंने हमेशा जरूरतमंदों की निस्वार्थ सेवा की।

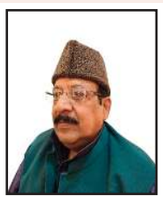

परवेज आलम भुट्टो ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की मगफि रत और परिजनों को सब्र अता करने की दुआ की।

जनाजे में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, डॉक्टर, समाजसेवी और स्थानीय लोग मौजूद रहे, जिन्होंने नम आँखों से डॉ. सईद अख्तर को अंतिम विदाई दी।

नवाबी स्वाद और तहजीब का संगम: जौनपुर में 'लखनऊई जायका' का शानदार आगाज

जौनपुर। नवाबी शहर लखनऊ की मशहूर पाक-परंपरा अब जौनपुर में भी अपनी खुशबू बिखेरेगी। ऐतिहासिक शाही किला के समीप खुले नए रेस्टोरेंट ह्यलखनऊई जायकाह्न का भव्य उद्घाटन वरिष्ठ पत्रकार डॉ. नासिर खान द्वारा किया गया। यह रेस्टोरेंट उनके अनुज डॉ. सज्जाद मेहंदी उर्फ. 'राजा' की नई और महत्वाकांक्षी व्यावसायिक पहल है।

उद्घाटन समारोह के दौरान धार्मिक व आध्यात्मिक वातावरण उस समय और गरिमामय हो गया, जब हजरत मौलाना महफूज हसन खान साहब ने प्रतिष्ठान की कामयाबी, बरकत और तरक़्की के लिए विशेष दुआएँ कीं।

मुख्य अतिथि डॉ. नासिर खान ने अपने संबोधन में कहा कि ह्यलखनऊई जायकाह्न केवल एक रेस्टोरेंट नहीं, बल्कि लखनऊ की तहजीब, मेहमाननवाजी और पारंपरिक स्वाद की पहचान है, जो जौनपुरवासियों को शुद्ध और प्रामाणिक लखनवी व्यंजनों का अनुभव कराएगा।

उन्होंने कहा कि आज के दौर में जब फास्ट फूड का चलन बढ़ रहा है, ऐसे में पारंपरिक खानपान को बढ़ावा देना सांस्कृतिक विरासत को संजोने जैसा है। डॉ. राजा की इस पहल से स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटकों को भी उच्च गुणवत्ता का भोजन उपलब्ध होगा।

समारोह में शहर के गणमान्य नागरिक, पत्रकार, समाजसेवी एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे। सभी ने रेस्टोरेंट की साज-सज्जा, स्वच्छता, सेवाओं और मेन्यू की सराहना की तथा इसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम के अंत में अल्लाह से दुआ की गई कि ह्यलखनऊई जायकाह्न निरंतर तरक़्की करे और अपने बेहतरीन स्वाद के जरिए जौनपुर की खानपान संस्कृति में एक नई पहचान बनाए।

सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को संस्थागत श्रेणी और लेफ्टिनेंट कर्नल सीता अशोक शेल्के को व्यक्तिगत श्रेणी में सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार - 2026 के लिए चुना गया

(जीएनएस)।

सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को संस्थागत श्रेणी और लेफ्टिनेंट कर्नल सीता अशोक शेल्के को व्यक्तिगत श्रेणी में सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार - 2026 के लिए चुना गया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार ने आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में भारत में व्यक्तियों और संगठनों द्वारा दिए गए अमूल्य योगदान और निस्वार्थ सेवा को पहचानने और सम्मानित करने के लिए सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार की स्थापना की है। इस पुरस्कार की घोषणा हर साल 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर की जाती है।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में देश ने आपदा प्रबंधन की पद्धतियों, तैयारियों, आपदा न्यूनीकरण और आपदा से निपटने के तौर-तरीकों में उल्लेखनीय सुधार किया है, जिसके परिणामस्वरूप प्राकृतिक आपदाओं के दौरान मृत्यु दर में काफी कमी आई है।

वर्ष 2026 के पुरस्कार के लिए, 1 मई, 2025 से नामांकन मांगे गए थे। वर्ष 2026 के लिए पुरस्कार का प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के जरिए व्यापक प्रचार किया गया। पुरस्कार के लिए संस्थानों और व्यक्तियों से कुल 271 नामांकन मिले।

आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में 2026 के पुरस्कार विजेताओं द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्य का सारांश इस प्रकार है:

लेफ्टिनेंट कर्नल सीता अशोक शेल्के - व्यक्तिगत श्रेणी

भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल सीता अशोक शेल्के ने 2024 में केरल के वायनाड में बाढ़ और भूस्खलन के दौरान बड़े पैमाने पर मानवीय सहायता और आपदा राहत (ल अ ऊ फ) अभियानों का नेतृत्व किया। उन्होंने फंसे लोगों को तेजी से निकालने, राहत सामग्री बांटने और जरूरी सेवाओं की बहाली के लिए सिविल प्रशासन और स्थानीय नेताओं के साथ समन्वय किया। लेफ्टिनेंट कर्नल सीता अशोक शेल्के ने खराब मौसम के दौरान कई जोखिम भरे बचाव अभियानों को निर्देशित किया, जिससे सैकड़ों नागरिकों की जान बचाई जा सकी। उनके सुपरविजन में चूरलमाला में 190 फुट लंबे बेली ब्रिज का तेजी से निर्माण किया गया, जिससे दूरदराज के गांवों तक कनेक्टिविटी बहाल की जा सकी। उन्होंने इनोवेटिव इंजीनियरिंग के तरीकों को लागू किया जैसे कि कोमात्सु ढ210 एक्सकेवेटर का काउंटरवेट के रूप में उपयोग कर रात में चार घंटे के भीतर एक अस्थायी फुटब्रिज बनाना।

150 टन उपकरण मोबिलाइज कर, लेफ्टिनेंट कर्नल सीता अशोक शेल्के ने ऐसे ऑपरेशन्स का नेतृत्व किया, जिनसे समय पर राहत और बचाव के प्रयासों से हजारों लोगों को फायदा हुआ। उन्होंने 2,300 से ज्यादा कर्मियों को आपदा प्रतिक्रिया और मानवीय ऑपरेशन में ट्रेनिंग भी दी। उन्होंने अपनी इंजीनियरिंग सेवा के जरिए आपदा जोखिम न्यूनीकरण (ऊ्रफ्र) को अमल में लाने का काम किया। उङ्ग१स्र२ ड्ड एल्ल्रॅल्ल्ीी१२ के कौशल का इस्तेमाल कर, उन्होंने दूरदराज के आपदा प्रभावित इलाकों में पुलों, ॅ१२ १ङ्ग४३ी२ और आश्रयों का तेजी से निर्माण करवाया, जिससे राहत और बचाव कार्यों में मदद मिली। उनका काम व्यावहारिक नेतृत्व और ऑपरेशनल ऊ्रफ्र में महिलाओं की बढ़ती भूमिका को दशार्ता है।

सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (ररऊ्टअ) - संस्थागत श्रेणी

सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (ररऊ्टअ) की स्थापना 2005 में हुई थी। ररऊ्टअ ने सिक्किम में आपदा की तैयारी और प्रतिक्रिया को काफी मजबूत किया है। इसके तहत 1,185 प्रशिक्षित आपदा मित्रों को तीन स्तरों पर आपदा प्रबंधन अधिकारियों के रूप में तैनात किया गया है - गांव स्तर पर आपदा प्रबंधन सहायक, ब्लॉक मुख्यालय में आपदा प्रबंधन पर्यवेक्षक, और जिला मुख्यालय में आपदा प्रबंधन समन्वयक। सभी ग्राम पंचायतों में आपदा प्रबंधन सहायकों को तैनात किया गया है। इससे सहभागी योजना, क्षमता-निर्माण की पहल और पंचायत-स्तरीय समितियां बनी हैं, जिन्होंने सभी छह जिलों में आपदाओं और जलवायु जोखिमों के प्रति प्रतिरोध को बढ़ाया है।

2016 के मंतम भूस्खलन और 2023 की तीस्ता बाढ़ जैसी गंभीर आपदाओं के दौरान, ररऊ्टअ के रियल-टाइम कोऑर्डिनेशन और प्रशिक्षित फर्स्ट रिस्पॉन्डर्स ने 2,563 लोगों को बचाने में मदद की और जान-माल के नुकसान को कम किया। ररऊ्टअ ने आपदा मित्र के जरिए एक सक्रिय, समुदाय-केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण दृष्टिकोण को संस्थागत रूप दिया है, जिसमें पूर्व चेतावनी, तैयारी और स्थानीय क्षमता निर्माण पर जोर दिया गया है। इससे समुदाय-केंद्रित आपदा प्रतिरोध का एक मॉडल बना है, जो खास तौर पर अन्य हिमालयी और उत्तर-पूर्वी राज्यों के लिए प्रासंगिक है।

श्रीकृष्ण की नगरी में रंगोत्सव हुआ प्रारंभ : पूरे 40 दिन ब्रज में बरसेगा रंगों का आनंद

-रंगोत्सव को भव्य बनाने को प्रशासन की तैयारी शुरू

-ब्रज में श्रद्धालु और पर्यटकों के स्वागत को बनेंगे 23 द्वार

मथुरा (जीएनएस)। श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा में रंग और भक्ति का अलौकिक रंगोत्सव शुरू हो गया है।ब्रज में होली का पर्व केवल एक दिन नहीं, बल्कि 40 दिनों तक चलने वाला आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्व है। ब्रज में रंगोत्सव की शुरूआत बसंत पंचमी से हो जाती है।अबीर-गुलाल की खुशबू, मंदिरों में गूंजते फॉग और गलियों में उमड़ता ब्रज की होली पूरी दुनियां में अलग पहचान रखती है। ब्रज की इसी अद्भुत परंपरा को वैश्विक मंच पर और अधिक प्रतिष्ठा दिलाने के लिए योगी सरकार ने इस वर्ष "रंगोत्सव-2026" को ऐतिहासिक बनाने का निर्णय लिया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निदेर्शानुसार उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद और जिला प्रशासन जोर-शोर से तैयारी करने में जुट गया है। रंगोत्सव में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु और पर्यटक ब्रज पहुंचते हैं। रंगोत्सव पर्व पर श्रीकृष्ण की नगरी में आने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए 23 भव्य प्रवेश द्वार बनाए जा रहे हैं। इसीक्रम में बरसाना में 5, नन्दगांव में 4, मथुरा नगर में 5, रावल, गोकुल, बल्देव और फालैन में 2-2 तथा महावन में 1 भव्य प्रवेशद्वार बनाया जाएगा। यह प्रवेशद्वार ब्रज की सांस्कृतिक विरासत और राधा-कृष्ण लीला की झलक प्रस्तुत करेंगे। इसी के साथ ही 25 सांस्कृतिक मंच बनाए जाएंगे, जहां फॉग, रसिया, होली लोकनृत्य और ब्रज की परंपरागत प्रस्तुति देखकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो जाएंगे। वहीं पर्यटकों के आकर्षण के लिए 12 सेल्फी प्वाइंट भी तैयार किए जा रहे हैं। इस बार रंगोत्सव में प्रकाश व्यवस्था भी विशेष आकर्षण का केन्द्र होगी। बरसाना का राधारानी मंदिर और नन्दगांव का नन्द मंदिर भव्य फसाड़ लाइटिंग से जगमग दिखेंगे। इसके अलावा होलीगेट, विश्राम घाट, संकेत मंदिर, गाजीपुर मंदिर, रावल राधारानी मंदिर, गोकुल का नन्दकिला, फालैन का प्रहलाद मंदिर और बल्देव का दाऊजी मंदिर भी रंगीन रोशनी से भव्य दिखेंगे। रंगोत्सव केवल रंगों का नहीं, बल्कि ब्रज की आत्मा, उसकी लोक कला और संस्कृति का भी उत्सव है। आगामी 24 और 25 फरवरी को बरसाना स्थित राधाबिहारी इंटर कॉलेज में दो दिवसीय भव्य सांस्कृतिक आयोजन किया जाएगा। इसमें 70 से अधिक सांस्कृतिक दलों के 8 सौ से अधिक कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से ब्रज की परंपरा को जीवंत करेंगे तथा स्थानीय कलाकारों को खास मंच देकर संस्कृति संरक्षण का संदेश भी दिया जाएगा। ब्रज की होली का सबसे बड़ा आकर्षण का केन्द्र बरसाना की विश्व प्रसिद्ध लठमार होली है, जो इस बार 25 फरवरी को खेली जाएगी। इससे एक दिन पूर्व 24 फरवरी को राधारानी मंदिर में लड्डू होली खेली जाएगी, जहां भक्तों पर प्रसाद रूपी लड्डुओं की वर्षा की जाती है। सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद भी ब्रज की होली में गहरी रुचि रखते हैं और पूर्व वर्षों की भांति इस बार भी संतों के साथ रंगोत्सव में शामिल होने की संभावना हैं। शासन ने प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा, स्वच्छता और यातायात व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद और व्यवस्थित रखी जाएं।

1,087 लंबित पेंशन शिकायतों की सफल कहानियों को उजागर किया।

24 दिसंबर 2025 को नई दिल्ली के आईआईपीए में डॉ. रचना शाह, डीओपीटी, डीएआरपीजी एवं डीओपीपीडबल्यू द्वीपदी की सचिव की अध्यक्षता में 15वीं पेंशन अदालत आयोजित हुई।

सरकार शिकायतों के त्वरित निपटारे और पेंशनरों के सम्मान और वित्तीय सुरक्षा के प्रति समर्पित

(जीएनएस)।

रक्षा, गृह, वित्त, डाक, आवास एवं शहरी कार्य, नागरिक उड्डयन आदि 30 विभागों/मंत्रालयों के सुपर सीनियर एवं परिवार पेंशनर्स की 1,087 शिकायतों की सुनवाई की गईं। इनमें से 815 का तत्काल समाधान हुआ, जो पेंशनभोगियों को समय पर न्याय दिलाने की दक्षता दशार्ता है। यह पहल शिकायतों के तेज निपटारे, पेंशनभोगियों की गरिमा एवं वित्तीय सुरक्षा बढ़ाने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

15वीं पेंशन अदालत में विचारित अनसुलझे मामलों की स्थिति पर चर्चा के लिए 16 जनवरी 2026 को फॉलो-अप बैठक आयोजित हुई। इस बैठक के बाद कई हृदयस्पर्शी सफल कहानियाँ सामने आईं, जो पेंशनभोगियों की संघर्षगाथा और पेंशन अदालत की भूमिका को दशार्ती हैं।

श्री पवन कुमार गुप्ता

उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले, टेमा गाँव निवासी श्री पवन कुमार गुप्ता का एनपीएस कोष राशि भुगतान संबंधी शिकायत 100 दिनों से अधिक लंबित था, जो 20 मार्च 2023 को चिकित्सकीय आधार पर सेवानिवृत्ति के बाद उत्पन्न हुआ। अदालत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लेने पर बीएसएफ अधिकारियों ने फॉलो-अप बैठक में बताया कि मामला निपट गया और 10.35 लाख रुपये का भुगतान हो चुका है।

श्री रसिका डिग्गी

झारखंड के पश्चिम सिंहभूम निवासी श्री रसिका डिग्गी की पेंशन बहाली की शिकायत 200 दिनों से अधिक लंबित थी, जो जीवन प्रमाण पत्र न जमा करने से नवंबर 2007 से 17 वर्षों से बंद थी। अदालत में विचार के बाद सीआरपीएफ अधिकारियों ने फॉलो-अप में सूचित किया कि मामला सुलझ गया और 41.00 लाख रुपये का भुगतान हो चुका है।

सुश्री प्रमिला थापा

स्वर्गीय श्री संजय गुरुंग की अविवाहित विकलांग पुत्री सुश्री प्रमिला थापा को नवंबर 2018 से परिवार पेंशन नहीं मिल रही थी। उनके भाई श्री संजय गुरुंग ने अदालत में वीसी से भाग लिया; एसएसबी ने 16 जनवरी 2026 को फॉलो-अप के बाद 12.78 लाख रुपये का बकाया भुगतान किया और उनकी मासिक पेंशन प्रारंभ हो गई।

श्री नसीम अख्तर

जम्मू-कश्मीर के श्री नसीम अख्तर की नवंबर 2008 से जुलाई 2020 तक एलटीए भुगतान की शिकायत 9 माह बाद भी अनसुलझी थी। अदालत में उनके पुत्र ने वीसी से भाग लिया; फॉलो-अप में अधिकारियों ने पुष्टि की कि 21,14,991 रुपये का भुगतान हो चुका है।

छाता पुलिस ने दबोचा शातिर वाहन चोर : चोरी की बाइक बरामद

मथुरा (जीएनएस)। थाना छाता क्षेत्र स्थित होलीडेज फनसिटी वाटर पार्क से पुलिस ने एक वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी छाता कमलेश सिंह, कस्बा चौकी प्रभारी राहुल चौधरी और एसआई कपिल नागर पुलिस टीम के साथ संदिग्धों की चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि होलीडेज फनसिटी वाटर पार्क के पास एक वाहन चोर खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी कमलेश सिंह, कस्बा चौकी प्रभारी राहुल चौधरी और एसआई कपिल नागर पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहे शातिर वाहन चोर अकरम पुत्र इलियास निवासी मदरसे के पास पैगांव रोड़ कस्बा छाता को घेरकर दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए शातिर के कब्जे से चोरी की स्पेलंडर प्लस बाइक बरामद की है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।